वर्ष:- 05
अंक:- 356
मुरादाबाद
(Tuesday)
21 April 2026
पृष्ठ:-8
मूल्य:- 3.00 रूपया

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
मुरादाबाद से प्रकाशित
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

राष्ट्रपति ली और पीएम मोदी के बीच द्विपक्षीय बैठक, भारत ने दिया शांति का संदेश

पीएम नरेंद्र मोदी और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ने भारत-कोरिया बिजनेस लीडर्स डायलॉग में हिस्सा लिया और द्विपक्षीय सहयोग मजबूत करने पर जोर दिया। पीएम मोदी ने कहा कि वैश्विक तनाव के दौर में भारत और दक्षिण कोरिया शांति और स्थिरता का संदेश दे रहे हैं। वहीं राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने प्रधानमंत्री मोदी, भारत सरकार और भारतीय जनता के आतिथ्य के लिए आभार जताया।राष्ट्रपति ली ने कहा कि भारत और दक्षिण कोरिया ने इलेक्ट्रॉनिक भुगतान प्रणालियों को जोड़ने के लिए एक समझौता ज्ञापन (स्न्न्श्) पर हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने बताया कि इस समझौते के बाद दोनों देशों के नागरिक एक-दूसरे के देश की यात्रा के दौरान स्थानीय त्तक्र कोड सिस्टम का उपयोग कर भुगतान कर सकेंगे। इससे यात्रियों, कारोबारियों और पर्यटकों के लिए लेनदेन अधिक आसान और सुविधाजनक हो जाएगा।राष्ट्रपति ली ने कहा कि आज उनकी और प्रधानमंत्री मोदी की द्विपक्षीय संबंधों को और आगे बढ़ाने के तरीकों पर गहन चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ने कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी आबादी और चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के साथ भारत ग्लोबल साउथ के नेता के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के 'विकसित भारत 2047' विजन के तहत भारत उल्लेखनीय विकास हासिल कर रहा है।पीएम मोदी ने कहा कि भारत और दक्षिण कोरिया अगले दशक की सफलता की कहानियों की नींव रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), सेमीकंडक्टर और सूचना प्रौद्योगिकी में साझेदारी मजबूत करने के लिए इंडिया-कोरिया डिजिटल ब्रिज शुरू किया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि जहाज निर्माण, सतत विकास, इस्पात और बंदरगाह जैसे क्षेत्रों में कई समझौता ज्ञापनों (स्न्न्श्च्) पर हस्ताक्षर किए जा रहे हैं। इससे दोनों देशों के औद्योगिक और आर्थिक सहयोग को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक और रचनात्मक उद्योगों में सहयोग के जरिए फिल्म, एनीमेशन और गेमिंग जैसे क्षेत्रों में भी नई संभावनाएं खोली जाएंगी। पीएम मोदी ने कहा कि आज का बिजनेस फोरम इन अवसरों को ठोस परिणामों में बदलने के लिए एक प्रभावी मंच साबित होगा।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत में के-पॉप और के-ड्रामा तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। वहीं, दक्षिण कोरिया में भी भारतीय सिनेमा और संस्कृति की पहचान लगातार बढ़ रही है। मोदी ने कहा कि उन्हें खुशी है कि दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली भी भारतीय सिनेमा की सराहना करते हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए वर्ष 2028 में भारत-दक्षिण कोरिया फ्रेंडशिप फेस्टिवल आयोजित किया जाएगा।पीएम मोदी ने कहा कि भारत और दक्षिण कोरिया के बीच द्विपक्षीय व्यापार अब 27 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने इसे वर्ष 2030 तक बढ़ाकर 50 अरब डॉलर करने का लक्ष्य तय किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच वित्तीय प्रवाह को आसान बनाने के लिए इंडिया-कोरिया फाइनेंशियल फोरम की शुरुआत की गई है। व्यापारिक सहयोग को मजबूत करने के लिए इंडस्ट्रियल कोऑपरेशन कमेटी का गठन भी किया गया है। उन्होंने बताया कि महत्वपूर्ण तकनीक और सप्लाई चेन में सहयोग बढ़ाने के लिए इकोनॉमिक सिक्योरिटी डायलॉग शुरू किया जा रहा है। साथ ही भारतीय बाजार में विशेष रूप से दक्षिण कोरियाई लघु और मध्यम उद्योगों (स्न्ख्श्व्र) की एंट्री आसान बनाने के लिए कोरियन इंडस्ट्रियल टाउनशिप स्थापित किए जाएंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि अगले एक वर्ष के भीतर भारत-दक्षिण कोरिया व्यापार समझौते को भी अपग्रेड किया जाएगा, जिससे दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को नई मजबूती मिलेगी।पीएम मोदी ने कहा कि लोकतांत्रिक मूल्य, बाजार अर्थव्यवस्था और कानून के शासन का सम्मान भारत और दक्षिण कोरिया दोनों देशों के डीएनए में शामिल है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र को लेकर भी दोनों देशों की सोच समान है। इन साझा मूल्यों और दृष्टिकोण के आधार पर पिछले एक दशक में भारत और दक्षिण कोरिया के संबंध अधिक गतिशील और व्यापक बने हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ली की इस यात्रा के साथ दोनों देश अपनी भरोसेमंद साझेदारी को भविष्य उन्मुख साझेदारी में बदलने जा रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि चिप, जहाज प्रतिभा से तकनीक, पर्यावरण से ऊर्जा तक हर क्षेत्र में सहयोग के नए अवसरों को साकार किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

महिला आरक्षण विधेयक पर द्रमुक, कांग्रेस माफी मांगें- चंद्रबाबू नायडू

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने महिला आरक्षण विधेयक का विरोध करने पर द्रमुक और कांग्रेस से माफी मांगने को कहा। उन्होंने इसे प्रगतिशील बताते हुए द्रमुक पर दूरदर्शिता की कमी और महिलाओं के साथ अन्याय का आरोप लगाया।आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने द्रमुक और कांग्रेस से महिला आरक्षण विधेयक को लोकसभा में हराने के लिए लोगों से माफी मांगने की मांग की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महिला आरक्षण कोटा लागू करने के कदम को देश के लिए एक प्रगतिशील निर्णय बताया।द्रमुक सरकार में दूरदर्शिता की कमी -नायडू ने कहा कि कुछ दल हमेशा सुधारों का विरोध करते रहे हैं और तमिलनाडु के लोगों को उन्हें हराना चाहिए। उन्होंने सत्तारूढ़ द्रमुक पर केंद्र सरकार के सहयोग का लाभ उठाने में विफल रहने का आरोप लगाया। नायडू ने कहा, मोदी जी ने महिलाओं के लिए जो 33 फीसदी कोटा किया है, वह देश के लिए सबसे प्रगतिशील निर्णयों में से एक है। कांग्रेस और द्रमुक ने महिलाओं के साथ अन्याय किया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि द्रमुक सरकार में दूरदर्शिता की कमी है। खिलाफ मतदान किया था।चुनाव प्रचार और आरोप-मुख्यमंत्री नायडू 23 अप्रैल को होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों में अन्नाद्रमुक के नेतृत्व वाले राजग के लिए वोट मांगने के लिए तमिलनाडु के दो दिवसीय दौरे पर हैं।

बंगाल दौरे को लेकर मल्लिकार्जुन खरगे का मोदी पर वार, बोले- क्या सीएम बनना चाहते हैं?

पश्चिम बंगाल चुनाव में रैलियों का दौर जारी है। इसी क्रम में कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी बंगाल में रैली की। इस दौरान उन्होंने पीएम मोदी पर निशाना साधा। और सवाल उठाते हुए कहा कि क्या मोदी पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं या प्रधानमंत्री बने रहना चाहते हैं? आइए विस्तार से जानते खरगे ने इस रैली में और क्या-क्या कहा। पश्चिम बिहार के कूच बिहार में एक रैली के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पश्चिम बंगाल दौरे को लेकर सवाल उठाए हैं। खरगे ने कहा कि पीएम मोदी लंबे समय से पश्चिम बंगाल में चुनावी कार्यक्रमों में व्यस्त हैं और अपने आधिकारिक काम की अनदेखी कर रहे हैं। रैली में खरगे ने सवाल उठाते हुए कहा %क्या मोदी पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं या प्रधानमंत्री बने रहना चाहते हैं?% उन्होंने कहा कि पीएम के लगातार चुनावी दौरे से सरकारी कामकाज प्रभावित हो रहा है।महिला आरक्षण बिल पर भी हमला- उन्होंने आरोप लगाया कि महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाले संविधान संशोधन बिल को लागू करने की प्रक्रिया को कमजोर किया गया। कूच बिहार में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए खरगे ने कहा कि महिला आरक्षण बिल 2029 से लागू होना था, लेकिन इसे कमजोर करने का काम किया गया।उन्होंने कहा आपने ही महिला आरक्षण बिल को खत्म किया है, हमने इसके खिलाफ नहीं बल्कि परिसीमन बिल के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि उनकी पार्टी हमेशा महिलाओं के अधिकारों और उनके कल्याण के लिए काम करती रही है। उन्होंने सरोजिनी नायडू, इंदिरा गांधी और सोनिया गांधी जैसी महिला नेताओं का भी जिक्र किया।

थूथुकुडी में बरसे राहुल गांधीः RSS को बताया तमिल विरोधी, कहा- तमिलनाडु में नहीं चलने देंगे BJP का बिहार मॉडल

थूथुकुडी की रैली में राहुल गांधी ने आरएसएस को तमिल विरोधी संगठन बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा भ्रष्टाचार के जरिए एआईएडीएमके को नियंत्रित कर रही है और तमिलनाडु में बिहार मॉडल लागू करना चाहती है।तमिलनाडु में चुनावी हलचल के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तमिलनाडु के थूथुकुडी में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने आरएसएस और भाजपा पर तीखे हमले किए। राहुल गांधी ने आरोप लगाते हुए कहा, आरएसएस तमिल विरोधी और द्रविड़ विरोधी संगठन है। उन्होंने कहा कि आरएसएस और भाजपा का मानना है कि भारत एक लोग, एक संस्कृति, एक धर्म और एक भाषा वाला देश होना चाहिए।इसके साथ ही उन्होंने एआईएडीएमके की वर्तमान स्थिति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पुरानी एआईएडीएमके, जो तमिलनाडु के लोगों की सेवा करती थी, अब पूरी तरह खत्म हो चुकी है। राहुल के अनुसार, आज की एआईएडीएमके सिर्फ एक खोखला ढांचा बनकर रह गई है और भाजपा इस पार्टी का इस्तेमाल तमिलनाडु की राजनीति में घुसने के लिए करना चाहती है।उन्होंने आरोप लगाया कि एआईएडीएमके के नेता भ्रष्टाचार की वजह से कमजोर पड़ गए हैं। इसी कमजोरी का फायदा उठाकर भाजपा तमिलनाडु में अपनी जगह बनाना चाहती है। राहुल ने दावा किया कि जो लोग अभी एआईएडीएमके को चला रहे हैं, उन्हें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूरी तरह नियंत्रित करते हैं।रैली में राहुल गांधी ने बिहार की राजनीति का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि बिहार में नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद से हटाकर भाजपा के आदमी को वहां बैठा दिया गया। राहुल ने आरोप लगाया कि नीतीश कुमार के पुराने कामों की वजह से भाजपा उन्हें पूरी तरह काबू कर रही है। उन्होंने दावा किया कि नीतीश कुमार ने एक शब्द भी नहीं कहा और चुपचाप राज्यसभा चले गए। राहुल ने आगे कहा , भाजपा तमिलनाडु में भी यही बिहार मॉडल दोहराना चाहती है। वे तमिलनाडु में ऐसी सरकार चाहते हैं जिसे वे पूरी तरह अपने इशारों पर नचा सकें। वे यहां एक ऐसा मुख्यमंत्री चाहते हैं जो वही करे जो भाजपा कहे। राहुल ने साफ शब्दों में कहा कि वे तमिलनाडु में भाजपा को कभी भी ऐसी कठपुतली सरकार नहीं बनाने देंगे। प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए राहुल गांधी ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप खुलेआम कहते हैं कि पीएम मोदी उन्हें फोन करते हैं और %सर% कहकर बुलाते हैं। राहुल ने आरोप लगाया कि ट्रंप के कहने पर प्रधानमंत्री कुछ भी करने को तैयार रहते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि ईरान में युद्ध शुरू होने से पहले मोदी को अचानक इस्राइल जाने के लिए कहा गया और वे तुरंत विमान लेकर वहां चले गए। राहुल ने कहा कि भाजपा चाहे जो भी सपना देख ले, वे तमिलनाडु के लोगों या यहां की सरकार को कभी अपने नियंत्रण में नहीं ले पाएंगे।

जनता दर्शनः एक-एक फरियादी से मिले योगी, बोले- जनसेवा सरकार का कर्तव्य, इसी पथ पर चल रहे हम

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को समयबद्ध समाधान के निर्देश दिए। आवास, इलाज, शिक्षा, अवैध कब्जे और पुलिस मामलों पर त्वरित कार्रवाई करने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनसेवा सरकार का कर्तव्य है और हर जरूरतमंद को योजनाओं का लाभ मिलेगा।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को %जनता दर्शन% में प्रदेश भर से आए फरियादियों से मुलाकात की, उनकी शिकायतें सुनीं और संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा के अंदर निस्तारण कराने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनसेवा सरकार का कर्तव्य है और सरकार अपने कर्तव्य पथ पर चलकर प्रदेश की 25 करोड़ जनता की सेवा कर रही है। हर उचित समस्याओं के समाधान के लिए सरकार संकल्पित है। दर्द लेकर आईं, दुआ देकर गईं बरेली की रहने वालीं दीप्ति %जनता दर्शन% में पहुंचीं। उन्होंने मुख्यमंत्री के समक्ष अपना दर्द बयां किया। बताया कि वह किराए के मकान में रहती हैं और ठेला लगाकर जीवनयापन कर रही हैं। आर्थिक विपन्नता के कारण बच्चों के लालन-पालन में काफी परेशानी हो रही है। इस पर मुख्यमंत्री ने बरेली के जिलाधिकारी को निर्देशित किया कि महिला की समस्या सुनकर पीएम स्वनिधि योजना का लाभ दिलाते हुए स्थानीय स्तर पर समस्या का त्वरित समाधान कराएं। सीएम की संवेदनशीलता को देखकर दीप्ति की आंखें भर आईं। चेहरे पर खुशी का भाव लिए हुए उन्होंने जाते-जाते मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया और उन्हें ढेर सारी दुआएं भी दीं।आवास की मांग को लेकर पहुंचे लोगों को सीएम ने किया आश्वस्त - %जनता दर्शन% में कुछ लोगों ने आवास की मांग से संबंधित प्रार्थना पत्र सौंपे। मुख्यमंत्री ने उनकी बातें सुनते हुए आश्वस्त किया कि सरकार हर पात्र व्यक्ति को प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत आवास उपलब्ध करा रही है। सीएम ने संबंधित जनपदों के जिलाधिकारियों को आवेदकों का पत्र भेजते हुए उन्हें निर्देशित किया कि पात्रता के आधार पर इन्हें भी आवास योजना का लाभ दिलाएं। इन लोगों ने भी मुख्यमंत्री के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। अवैध कब्जे, पुलिस से जुड़े मामलों में निर्देश - मुख्यमंत्री के पास कुछ लोगों ने इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लगाई। इस पर सीएम योगी ने तत्काल एस्टिमेट बनवाकर शासन को उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने कहा कि आप परिजन की चिंता कीजिए, इलाज की चिंता सरकार करेगी। वहीं कुछ अभिभावकों ने आर्थिक परेशानी का जिक्र करते हुए बच्चों की पढ़ाई पर चिंता जताई। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी बच्चे का स्कूल नहीं छूटना चाहिए। बच्चे जहां पढ़ रहे हैं, वहीं उनकी शिक्षा जारी रहे, इसके लिए प्रबंधन से वार्ता कर बच्चों की शिक्षा की व्यवस्था की जाए। सीएम ने अवैध कब्जे और पुलिस से जुड़े मामलों में लापरवाही का संज्ञान लेते हुए इन प्रकरणों में तत्काल कार्रवाई कराने का निर्देश दिया और कहा कि स्थानीय पुलिस-प्रशासन समस्या का समाधान कराकर पीड़ितों को संतुष्ट करे।

संपादकीय Editorial

A knife in the armpit

Once, the ideals of a safe environment and the pursuit of education resonated within educational campuses, but now, this era is fraught with challenges. How did the roofs of Solan's private universities become so fragile that the student community is losing their courage? The sight of the death-defying leap is chilling, but why are students reaching such fatal circumstances requires careful consideration. Another scenario is unfolding at the mischievous doors of government colleges. Three assistant professors failed to protect their conduct in their own classrooms. If professors possessed a knife in their armpits, adultery in their eyes, and all the vices in their company, then their dismissal should be appreciated. Indeed, the walls of the college must have trembled with the presence of these assistant professors when they proved to be of bad character among their own female students. Sadly, in Himachal, female students now face danger from their own professors. The good news is that the victimized students in these three cases took the initiative themselves, and as a result, after a lengthy investigation, the professors were dismissed. The lessons learned from this action will go a long way, but it's a matter of concern that flaws are being exposed in the guise of teachers. Ironically, teachers are now a matter of curriculum and government servants. Over the past few years, it's been observed that the ideals of this sacred profession have either been buried in politics, or a few elite individuals are shining under the guise of postings. There was a time when teachers helped students become athletes, singers, artists, and writers. Back then, teachers were gurus of life, transcending the curriculum. Their teaching style and manner inspired a gravitational pull and ambition to advance. This isn't a story about the character of three professors, but rather a skewering of Himachal's image. Himachal is witnessing the emergence of some perverse tendencies and autocratic actors. Call it the product of social media or personal selfishness, leading to a disregard for society. The advancement of women, their independence and awareness, enhances the state's image, but the distinction between independence and insolence is beginning to diminish. In which society's definition would the protest by two women against a conductor in Marvi be rewarded? Surprisingly, public responsibility is disappearing from such occasions. If the distance between people is only increasing in Himachal, how can we maintain any code of conduct in the state's social organizations? Considering the comments emerging on social media, the root of the trouble lies within us. In this context, there is every possibility of being harmed by the newfound power of social media. The recent video of a so-called influencer from Nahan has attacked the personality and character of soldiers serving the country. This is a timeline of fame that many children in Himachal are currently confused by. Portals feature editors who have barely completed their schooling. The political leaders encouraging them are only seeing their own praise within the realm of words and truth. So, whenever the state's information is cloaked, the social media gangs will have done their work. However, by sending three assistant professors home, the education department has set an example that will ensure a healthy atmosphere on campuses in the future. The identity of teachers is changing within the teaching or learning process, because in the educational formulas, we have begun to measure personality only in proportion to degrees.

Women's interests ignored, reservations put on hold again

The Women's Reservation Bill failed to pass in the Lok Sabha due to a lack of a two-thirds majority, putting it on hold again. Its chances of implementation before 2034 are slim. The Women's Reservation Bill failed due to a lack of a majority in the Lok Sabha. It is unlikely to be implemented before 2034. The opposition rejected the government's seat increase proposal. Ultimately, the expected outcome occurred. The Constitution Amendment Bill related to women's reservations failed to pass in the Lok Sabha due to a lack of a two-thirds majority. With this, women's reservations have once again been put on hold. It is difficult to say when they will be implemented. If a consensus is not reached between the ruling party and the opposition in the near future, it is likely that women's reservations will not be implemented before the 2034 Lok Sabha elections. Any further delay in women's reservations would be unfortunate. It is already too late to realize the dream of women's reservations. The idea of ??women's reservations became a topic of political debate nearly three decades ago. After this, all parties continued to speak in favor of women's reservation, but they were not fully prepared for it. This is why the Women's Reservation Bill, despite being introduced in Parliament several times, failed to advance. Finally, in 2023, it was passed with the consensus of all parties, but with the provision that it would be implemented in the 2029 general elections. This was due to the delay in the 2021 census. Since the new census has only just begun and its results will take time to arrive, the Modi government, in order to make women's reservation effective from the next general elections and to address the opposition's objections, proposed a formula: increase the number of Lok Sabha seats in all states by 50 percent. It is not known why the opposition was not happy with the 50 percent increase in Lok Sabha seats in all states, even though it would not harm the political interests of any state, especially the southern states. It would have been better if the opposition had abandoned its insistence on implementing women's reservations based on the new census and delimitation based on it, because if women's reservations are implemented based on population, the less populated states of South and Northeast India will be politically disadvantaged. Regarding the opposition's demand for separate reservations for different categories within women's reservations, it cannot be ignored that no such demand was made in 2023. The opposition will certainly declare victory if the Women's Reservation Amendment Bill is not passed, but by doing so, it will only disappoint the women of the country. While the ruling party has certainly suffered a setback, it has also gained an opportunity to propagate that the opposition prevented the implementation of women's reservations, thus dashing the hopes of half the population.

A Dangerously Divided World

Recently, I reread Samuel P. Huntington's book, "Clash of Civilizations." He writes, "After the collapse of the Soviet Union, the world has become unipolar. In the future, conflict will not be between nations, but between civilizations." Samuel Huntington's "Clash of Civilizations" theory remains relevant. Global divisions based on religious and cultural identities. Economic development and cooperation are essential for global peace. Currently, a war is ongoing between the US, Israel, and Iran. Both the US and Iran attributed this to Pakistan. Later, it became clear that Pakistan's role was primarily that of a messenger. India's role was also discussed, and in some circles, criticism emerged that its role was not adequately recognized. Although Pakistan is majority Sunni, while Iran is majority Shia, some countries have stated that they do not see themselves as Shia or Sunni, but broadly as Muslims, and that their interests are intertwined globally. In this context, fundraising activities in support of Iran in Kashmir have emerged, even though India has no connection to this conflict. Recently, I reread Samuel P. Huntington's book, "Clash of Civilizations." He writes, "After the collapse of the Soviet Union, the world has become unipolar. In the future, conflict will not be between nations, but between civilizations. The competition between superpowers will manifest as a clash of civilizations. This clash of civilizations could pose the greatest threat to world peace. This conflict will not be limited to any one country or region, but could spread widely. Today, people are rediscovering their traditional identities along with their modern identities. This is why, despite new circumstances, they maintain old conflicts and are unwilling to forget them. In the future, conflict will not be limited to economic inequalities, such as those between rich and poor, but will emerge in a more intense form between different civilizations. This could be a very complex and challenging period in history." As civilizations, he mentions Western, South American, African, Islamic, Sinic, Hindu, Orthodox, Buddhist, and Japanese civilizations. American politician Henry Kissinger once said that the six major powers of the 21st century will be America, Europe, China, Japan, Russia, and possibly India. Samuel Huntington, meanwhile, viewed China, Vietnam, and Japan as distinct civilizations. Buddhist traditions have a significant influence in these regions. Similarly, Africa has large Muslim and Christian populations, while South America, North America, Europe, and Russia are predominantly Christian. Huntington argues that Sinic (Chinese) and Japanese civilizations have modernized themselves economically, while the Islamic world has strengthened its identity less economically, but more so on cultural and religious grounds. Furthermore, his critical view of Western values ??is often evident. However, it is also a fact that many technologies and products developed by the West are widely used worldwide. Despite adopting modern technology, societies seek to maintain their traditional identities and cultural practices. Even in Western countries, the opposition to religion is no longer as pronounced as it once was. In many places, large numbers of people attend church on Sundays. Consequently, the concept of completely separating religion from politics is no longer as effective as it once was. Important values ??developed after the French Revolution, such as liberty, fraternity, and equality, are facing challenges. Every society and nation seems to be competing to prove itself superior. There is a growing tendency to portray one's culture, food habits, and lifestyle as superior, while others are undermined. Alongside this, a trend of new alliances and agreements based on religion is also emerging. Except for Turkey, most countries in NATO are Christian-majority. Discussions of a similar alliance between Islamic countries are also ongoing. The recent agreement between Saudi Arabia and Pakistan, where an attack on one will be considered an attack on the other, can be seen in this context. If all the world's Christian, Islamic, or other religiously based countries unite in this manner and form military or political fronts, the global landscape could become extremely complex and unstable. In such a scenario, the world could be embroiled in constant conflict—sometimes based on religion, sometimes on borders, and sometimes on language and regional identities. If one country is attacked, other countries based on similar religious or cultural identities could also join the conflict, further increasing global tensions. This points to a worrying and frightening scenario. No matter how much we claim the superiority of a religion or civilization, the basic foundations of life—food, livelihood, and economic stability—are most important. Therefore, it is essential that the world prioritize economic development and cooperation rather than dividing based on religious or cultural identities. Wealthy countries should go beyond their own self-interest and assist poor and resource-poor countries. Otherwise, global inequalities and conflicts could make the future of humanity uncertain.

The Question of the Judiciary's Credibility

The resignation of Judge Yashwant Verma, surrounded by corruption allegations, has raised serious questions about the judiciary's accountability. Due to the complexity of the impeachment process, judges often resign to avoid action, undermining public confidence. Delhi High Court Judge Yashwant Verma, surrounded by serious corruption allegations, resigned just as the impeachment process was underway. Crores of rupees in half-burnt currency notes were found in his home, and a Supreme Court committee found him guilty. His resignation will prevent the impeachment proceedings from proceeding further. He may not even face trial. This resignation raises serious questions about the Constitution's trustworthiness, its vulnerability, and the trust of ordinary citizens. We have no answer to the question: how can a responsible officer of the institution, whose integrity we swear by, be absolved of blame simply by resigning for a crime that sends everyone from ordinary citizens to the Chief Minister to jail? This phenomenon is not limited to a single individual or position. It concerns the institutional trust that the public believes in the judiciary as the final, impartial, and ethical forum for justice. When the impartiality and accountability of this forum are questioned, it impacts the entire democratic structure. Impeachment is the only constitutional means of action against judges. This process was deliberately made complex to prevent unnecessary political interference with the independence of the judiciary, but in practice, this very complexity often hinders accountability. The requirement of a special majority in both houses of Parliament, the lack of political consensus, and lengthy procedural complexities have made impeachment a nearly impossible process. To date, no judge in the higher judiciary has been removed through impeachment, despite several judges facing serious allegations of misconduct. In most cases, it has been observed that as soon as the possibility of impeachment becomes apparent, the accused judge resigns, nullifying the process, and this is where the crisis of accountability arises. Indian judicial history offers numerous examples that highlight the structural nature of this problem. An impeachment motion was brought against Supreme Court Justice V. Ramaswami in the 1990s, but it failed to pass due to a lack of necessary support in the Lok Sabha. This was because several political parties, raising the issue of regionalism, did not support the motion to remove him from the impeachment process. Subsequently.

ठाकुरद्वारा बवाल: नारायणपुर छंगा की गलियों में सन्नाटा, पुलिस का कड़ा पहरा, सपा सांसद को गांव जाने से रोका

मुरादाबाद के नारायणपुर छंगा गांव में बवाल के बाद तनावपूर्ण माहौल है। यहां लगातार पुलिस गश्त कर रही है। पुलिस ने सपा सांसद रुचि वीरा को गांव जाने से रोक दिया।नारायणपुर छंगा गांव में 16 अप्रैल को हुए बवाल के बाद से अब तक गांव में तनावपूर्ण माहौल है। यहां की गलियों में सन्नाटा पसरा हुआ है। पुलिस और पीएसी गश्त कर रही है। रविवार को सांसद रुचिवीरा को गांव पहुंचना था लेकिन पुलिस द्वारा रोक लिए जाने से वह नहीं पहुंच सकीं। इससे समर्थकों को निराश होना पड़ा तो पुलिस ने राहत की सांस ली। गांव में सपा सांसद रुचि वीरा के आने के कार्यक्रम को देखते हुए पुलिस-प्रशासन सुबह से ही अलर्ट था। स्योहारा मार्ग के पास बैरिकेडिंग लगाई गई थी। रास्तों पर भी पुलिसकर्मी तैनात थे। सांसद का अपराह्न 3-00 बजे शरीफ नगर पहुंचने का भी कार्यक्रम था। इस बीच कार्यकर्ताओं को पता चला कि पुलिस ने सांसद को मुरादाबाद में ही रोक लिया है। इधर, भाजपा नेता अजय प्रताप सिंह के घर और आंबेडकर पार्क पर पुलिस पहरा दे रही है। गांव की गलियों में सन्नाटा है। हालांकि कुछ ग्रामीण खेतों में गेहूं की फसल काटते और गहाई करते दिखे। गांव में चप्पे-चप्पे पर पुलिस और पीएसी के जवान तैनात रहे। सीओ आशीष प्रताप सिंह और कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक पुलिस बल के साथ लगातार गांव में कैंप कर रहे हैं। 16 अप्रैल को गांव में भाजपा नेता के जन्मदिन पर आंबेडकर पार्क के पास गाड़ी खड़ी करने को लेकर विवाद हो गया था। इस मामले में जमकर लाठी-डंडे चले और पथराव भी हुआ। पुलिस ने दोनों पक्षों की ओर से रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस का कहना है कि नामजद आरोपी गांव छोड़कर चले गए हैं। कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक मनोज परमार ने बताया कि दोनों एफआईआर की विवेचना चल रही है। विवेचना के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।आजाद समाज पार्टी के लोग भी नहीं पहुंचे आजाद समाज पार्टी के पदाधिकारी भी गांव में आने वाले थे लेकिन वे भी नहीं आए। गांव के राजेश कश्यप और उदय पाल सिंह का कहना है कि उनको घटना की जानकारी अगले दिन सुबह को मिली थी। अब गांव में शांति है और लोग अपने-अपने काम में जुट गए हैं।सत्ता पक्ष के दबाव में पुलिस ने दर्ज की दूसरे पक्ष की रिपोर्ट – नवाब जान सपा विधायक नवाब जान खां ने गांव नारायणपुर छंगा में आंबेडकर प्रतिमा को क्षतिग्रस्त किए जाने की घटना की निंदा की है। आरोप लगाया कि आंबेडकर प्रतिमा को क्षतिग्रस्त करने का विरोध करने वाले अनुसूचित जाति के लोगों के साथ कुछ लोगों ने मारपीट की थी। घटना की रिपोर्ट पुलिस ने पहले अनुसूचित जाति वर्ग की ओर से आरोपियों के खिलाफ दर्ज की थी, लेकिन अब भाजपा समर्थक की तहरीर पर पुलिस ने अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। सपा विधायक ने कहा है कि सत्ता पक्ष के दबाव में पुलिस ने भाजपा समर्थक की ओर से गलत रिपोर्ट दर्ज की है। इस रिपोर्ट को पुलिस को निरस्त करना चाहिए। पुलिस को पहले दर्ज की गई रिपोर्ट के तहत नामजद आरोपियों को गिरफ्तार करना चाहिए।घटना के बाद स्थानीय पुलिस को निष्पक्ष विवेचना कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। सुरक्षा के लिए गांव में फोर्स तैनात है। अन्य किसी प्रकार की शिकायतें नहीं मिली हैं। – सतपाल अंतिल एसएसपी मुरादाबादठाकुरद्वारा जा रहीं सांसद रुचिवीरा को पुलिस ने रोका, बोलीं- आज नहीं तो कल जाऊंगी सांसद रुचिवीरा ने ठाकुरद्वारा की घटना के लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने आरोप लगाया कि बाबा साहब डॉ. भीम राव आंबेडकर की प्रतिमा क्षतिग्रस्त करने के बाद लोगों के साथ मारपीट की गई। घटना बताने वालों को पुलिस खदेड़ रही है। रविवार को ठाकुरद्वारा जा रहीं सांसद को पुलिस ने आवास पर ही रोक लिया। सिविल लाइंस स्थित आवास पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए सांसद रुचिवीरा ने कहा कि वह ठाकुरद्वारा में घायलों का हाल चाल लेने के लिए जाने वाली हैं। फोटो देखने से पता चला कि कई लोगों को पीटा गया है। उनका खून बहा है। पुलिस ने अभी तक गिरफ्तारी नहीं की है। इस मामले में परेशान लोगों से बातचीत कर वह अधिकारियों से जानकारी करेंगी। बोलीं, उनके ठाकुरद्वारा जाने से किसी को क्या खतरा हो सकता है। वह कोई भड़कांऊ भाषण नहीं देने जा रही हैं। घटना के लिए भाजपा जिम्मेदार है। वहां घटना बताने पर पुलिस लोगों को खदेड़ रही है। यदि पुलिस ठाकुरद्वारा जाने से रोक रही है तो आज नहीं तो कल जाउंगी। भाजपा हर बात में पुलिस को आगे कर देती है। एसपी सिटी से बातचीत के बाद कार्यक्रम हुआ स्थगित – एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने सांसद से मिलकर बताया कि घटना के बाद दो एफआईआर दर्ज की गई हैं। इसमें पहली एफआईआर भाजपा नेताओं के खिलाफ हुई है। पुलिस अपना कार्य कर रही है। स्थिति में सुधार हो रहा है। लगभग एक घंटे की बातचीत के बाद सांसद ने कार्यक्रम स्थगित कर दिया। इधर ठाकुरद्वारा जाने की जानकारी मिलने पर समर्थकों की भीड़ सुबह 11 बजे से सांसद आवास पर जुटनी शुरू हो गई थी। दोपहर दो बजे पुलिस ने सांसद को जाने से मना लिया।

मुरादाबाद पुलिस ट्रेनिंग स्कूल में रंगरूट भिड़े, एक-दूसरे पर बेल्ट व ब्लेड से हमला, पीओपी की चल रही तैयारी

मुरादाबाद के पुलिस ट्रेनिंग स्कूल में पासिंग आउट परेड की तैयारी के दौरान काम के बंटवारे को लेकर रंगरूटों के बीच विवाद हो गया। बेल्ट और ब्लेड से हमले में एक रंगरूट घायल हो गया। अधिकारियों ने घटना की रिपोर्ट डीजी ट्रेनिंग को भेजी है।मुरादाबाद पुलिस ट्रेनिंग स्कूल में रंगरूटों के बीच विवाद हो गया। मारपीट में एक रंगरूट घायल हो गया। इस मामले में स्थानीय अधिकारियों ने डीजी ट्रेनिंग को रिपोर्ट भेज दी है। एसपी स्तर के अधिकारी घटना की जांच कर रहे हैं लेकिन सिविल लाइंस पुलिस का कहना है

कि मारपीट के मामले में समझौता हो गया है।पुलिस ट्रेनिंग स्कूल में पासिंग आउट परेड की तैयारी चल रही है। उच्चाधिकारियों ने इस मामले में रंगरूटों को काम की अलग अलग जिम्मेदारियां सौंपी थी। पता चला कि काम को लेकर रंगरूटों के बीच हाथापाई शुरू हो गई। इस दौरान दो रंगरूटों ने बेल्ट और ब्लेड से हमला कर दिया।इस दौरान एक रंगरूट के दोनों पैर, गर्दन, सीने और हाथ में चोटें पहुंची है। घायल रंगरूट का इलाज कराया गया लेकिन थाने में रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई गई। इस बारे में पूछने पर सिविल लाइंस थाना प्रभारी मनीष सक्सेना का कहना है तीन – चार दिन पहले की घटना है। दोनों पक्षों ने आपस में समझौता कर लिया था। वहीं स्थानीय पुलिस अधिकारियों ने इस घटना की रिपोर्ट डीजी ट्रेनिंग को भेज दी है। इस मामले में एसपी स्तर के अधिकारी घटना की जांच कर रहे हैं। पुलिस अधिकारी इस बारे में अनभिज्ञता जता रहे हैं। घटना से संबंधित रंगरूट का वीडियो क्लिप वायरल होने पर अन्य लोगों को जानकारी मिली है। वीडियो में एक व्यक्ति बोल रहा है कि रंगरूट पर बेल्ट और चाकू से वार किए गए हैं। घटना में कितने लोग शामिल रहे हैं। इसका खुलासा नहीं हो सका है। रंगरूटों के घायल होने पर 112 डायल पर दी थी सूचना – पीटीएस में मारपीट के बाद रंगरूटों ने बृहस्पतिवार को डायल 112 पर भी सूचना दी थी। इसके बाद पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे थे। रंगरूटों ने बताया कि एक बैरक के रंगरूटों ने दूसरे बैरक में मौजूद रंगरूट पर हमला बोल दिया था। अधिकारियों ने इस दौरान मोबाइल से खींचे गए वीडियो क्लिप को डीलीट करा दिया था।

हजयात्रा 2026: मस्जिद अल हरम व नबवी में वीडियो बनाया तो लगेगा जुर्माना, होटल में खाना बनाने पर भी पाबंदी

सऊदी अरब ने इस बार हज यात्रा को व्यवस्थित बनाने के लिए कड़े नियम लागू किए हैं। मक्का की मस्जिद अल हरम और मदीना की मस्जिद-ए-नबवी में फोटो-वीडियो बनाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। इस बार यात्रा 16 अप्रैल से शुरू होकर 20 मई तक पूरी होगी। इस बार हजयात्रा को और बेहतर बनाने के लिए सऊदी हुकूमत ने नियमों में फेरबदल किए हैं। हजयात्रा पर जाने वाले आजमीनों को इसकी अनदेखी भारी पड़ सकती है। सऊदी हुकूमत ने मक्का में मस्जिद अल हरम मक्का और मदीना में मस्जिद-ए-नबवी में फोटो-वीडियो बनाने पर पाबंदी लगा दी है।ऐसे करने पर 10 हजार रियाल का जुर्माना भरना पड़ेगा। ऐसे ही हजयात्रा पर बिना हज वीजा पाए जाने पर 30 हजार रियाल भरने पड़ेंगे। मुरादाबाद जिले इस बार हजयात्रा पर 2090 आजमीन जाएंगे। रवानगी की शुरुआत 16 अप्रैल से हो गई है। दो फ्लाइटों से आजमीन मदीना पहुंच भी गए हैं। बाकी आजमीन 20 मई तक पहुंच जाएंगे। हजयात्रियों की वतन वापसी दो जून से होगी। वापसी की आखिरी फ्लाइट 28 जून को होगी।

हजयात्रा में आजमीनों को कोई परेशानी न हो, इसके लिए सऊदी अरब की हुकूमत ने कुछ सख्ती की है।

हजयात्रा के दौरान अगर कोई बिना हज वीजा वहां मिला तो उस पर 30 हजार रियाल का जुर्माना लगाया जाएगा। इसके अलावा अगर होटल वालों ने बिना हज वीजा वालों को अपने यहां रखा तो उस पर यह जुर्माना एक लाख रियाल होगा। वहीं मस्जिद अल हरम और मस्जिद-ए-नबवी में फोटो और वीडियो बनाने पर रोक लगाई है। अगर किसी ने मोबाइल से वीडियो या फोटो बनाई तो उस पर 10 हजार रियाल का जुर्माना लगेगा। होटल में खाना बनाने पर भी पाबंदी- हिंदुस्तान से हजयात्रा पर जाने वाले आजमीनों को खाना बनाने की छूट मिलती थी। वह होटल में खुद खाना बनाकर खा सकते थे। लेकिन इस बार यह व्यवस्था बंद कर दी गई है। होटल में खाना नहीं बना सकते। ऐसे में आजमीनों को होटल का खाना खाना पड़ेगा। इस बार सऊदी अरब की हुकूमत ने नियमों में कुछ बदलाव किए हैं। मजिस्द अल हरम और मस्जिद-ए-नबवी में वीडियो और फोटो बनाने पर रोक है। ऐसा करने पर 10 हजार रियाल का जुर्माना है। बिना हज वीजा के पहुंचने पर भी 30 हजार रियाल जुर्माना है। होटल खाना बनाने पर भी पाबंदी है। – हाजी मुख्तार असलम, पूर्व हज ट्रेनर

मुरादाबाद में स्कूल संचालक को गोली मारी, पूर्व ब्लॉक प्रमुख और बेटे समेत सात लोगों पर केस

भगतपुर थाना क्षेत्र में ट्रांसपोर्टर व स्कूल संचालक राजेश कुमार यादव पर विवाद के बाद फायरिंग कर दी गई। उन्हें तीन गोली लगी हैं।

घटना में पूर्व ब्लॉक प्रमुख पूरन सिंह, उनके बेटे आकाश यादव समेत अन्य के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

भगतपुर थाना क्षेत्र में रविवार की रात करीब नौ बजे ट्रांसपोर्टर एवं स्कूल संचालक राजेश कुमार यादव को गोली मार दी गई। उन्हें तीन गोलियां लगी हैं। इस मामले में पूर्व ब्लॉक प्रमुख पूरन सिंह, उनके बेटे आकाश यादव समेत सात लोगों पर रिपोर्ट दर्ज की गई है।भगतपुर थाने में दर्ज रिपोर्ट में कहा गया है कि राजेश कुमार रविवार की रात अपने घर लौट रहे थे।

निवाड़खास रोड पर मोड़ के पास पहले से घात लगाए बैठे आरोपी पूर्व ब्लॉक प्रमुख पूरन सिंह, उनके बेटे आकाश यादव और विशाल यादव, अमित यादव, राजेंद्र सिंह, सुनील यादव और दुष्यंत यादव ने उन्हें घेर लिया और गोली मार दी।इसके बाद आरोपी मौके भाग गए। घटना की जानकारी मिलने पर राजेश के परिजन आ गए और वह घायल को लेकर अस्पताल पहुंचे।

एसपी देहात कुंवर आकाशसिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। आरोपियों की तलाश की जा रही है। घटना की वजह कॉलेज कमेटी को लेकर विवाद बताई जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

दो पैन कार्ड केस: आजम खां और अब्दुल्ला की सजा घटाने की अपील खारिज, रामपुर की कोर्ट ने बरकरार रखा फैसला

सपा नेता आजम खां और अब्दुल्ला की अपील पर रामपुर कोर्ट में सुनवाई हुई। एमपी-एमएलए कोर्ट ने आजम खान और अब्दुल्ला आजम की सजा घटाने की

अपील खारिज कर दी। उनकी पहले से तय सात साल की सजा बरकरार रखी है। दो पैन कार्ड मामले में सजा काट रहे सपा नेता आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम को राहत नहीं मिली है। एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट ने सोमवार को सजा कम करने की उनकी अपील खारिज कर दी।मामले में पहले मजिस्ट्रेट कोर्ट ने दोनों को सात-सात साल की कैद और 50-50 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई थी। इस फैसले के खिलाफ बचाव पक्ष ने सजा कम करने की अपील की थी, जबकि अभियोजन पक्ष ने सजा बढ़ाने की मांग करते हुए याचिका दायर की थी।दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद सेशन कोर्ट ने अपना फैसला सुनाते हुए सजा में कोई राहत देने से इनकार कर दिया। कोर्ट के इस निर्णय के बाद आजम खान और अब्दुल्ला आजम की सजा यथावत बनी रहेगी।

शराब से ज्यादा खतरनाक साबित हो रहा फास्ट फूड, युवाओं के लिए साइलेंट खतरा

मुरादाबाद । बदलती खानपान की आदतें अब स्वास्थ्य पर भारी पड़ने लगी हैं। चिकित्सकों के अनुसार शराब से ज्यादा फास्ट फूड और अत्यधिक चिकनाई युक्त भोजन अब लिवर के लिए बड़ा खतरा बनता जा रहा है। स्थिति यह है कि हर तीसरे व्यक्ति में फैटी लिवर की समस्या सामने आ रही है, जिसमें ऐसे लोग भी शामिल हैं जो शराब का सेवन नहीं करते। गैस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट डॉ. मनोज कुमार अरोरा के अनुसार पहले लिवर की बीमारियां मुख्य रूप से शराब सेवन से जुड़ी होती थीं, लेकिन अब मेटाबॉलिक डिस्फंक्शन एसोसिएटेड स्टीटोहेपेटिक लिवर डिजीज

के मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं। अल्ट्रासाउंड जांच में ऐसे कई मरीजों में लिवर पर फैट जमा होने की पुष्टि हो रही है। खास बात यह है कि शुरुआती अवस्था में इस बीमारी के लक्षण स्पष्ट नहीं होते, जिससे लोग समय रहते सचेत नहीं हो पाते।उन्होंने बताया कि चिंताजनक पहलू यह भी है कि 14 से 18 वर्ष की आयु के किशोरों में भी फैटी लिवर के मामले सामने आ रहे हैं। मोटापे से ग्रस्त बच्चों में इसका खतरा और अधिक होता है। यदि समय रहते ध्यान न दिया जाए तो यह स्थिति लिवर सिरोसिस जैसी गंभीर बीमारी में बदल सकती है। हालांकि, राहत की बात यह है कि शुरुआती स्तर पर फैटी लिवर को जीवनशैली में बदलाव कर नियंत्रित और ठीक किया जा सकता है। वहीं, शराब से होने वाली लिवर समस्याओं में भी सुधार संभव है, यदि व्यक्ति समय पर शराब का सेवन पूरी तरह छोड़ दें।लिवर को स्वस्थ रखने के लिए अपनाएं ये आदतें। – फलों और साबुत अनाज का अधिक सेवन करें। – फास्ट फूड से दूरी बनाएं, घर का संतुलित आहार लें। – बढ़ते वजन को नियंत्रित रखें। – नियमित व्यायाम को दिनचर्या में शामिल करें। – शराब का सेवन पूरी तरह त्यागें।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

मुरादाबाद में विकास चौहान का भव्य स्वागत, किसानों के हक़ की लड़ाई को लेकर किया बड़ा आह्वान

क्यूँ न लिखूँ सच /सिकंदर राजा / मुरादाबाद में भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति के राष्ट्रीय महासचिव विकास चौहान के आगमन पर जोरदार स्वागत किया गया। वह जिला कार्यालय पहुंचे, जहां पार्टी कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष मोहम्मद अली के नेतृत्व में भव्य स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। फूल-मालाओं और जोरदार नारों के साथ विकास चौहान का अभिनंदन किया गया। इस मौके पर उन्होंने किसानों के मुद्दों पर गंभीरता से चर्चा करते हुए कहा कि संगठन किसानों के अधिकारों की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष करता रहेगा। विकास चौहान ने कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए एकजुट होकर मजबूती से आवाज उठानी होगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति किसानों के हित में हर संभव लड़ाई लड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे और सभी ने संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

हर घर नल, हर घर जल' ने बदली बरेली की तस्वीर, विश्वविद्यालय के सर्वे में बड़ा खुलासा

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली- महात्मा ज्योतिबा फुले रोहिलखंड विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग (एम.एस.डब्ल्यू.) द्वारा जल जीवन मिशन के अंतर्गत चलाई जा रही 'हर घर नल, हर घर जल' योजना का व्यापक प्रभाव मूल्यांकन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है।

16 से 18 अप्रैल 2026 के बीच हुए इस सर्वे में बरेली जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में योजना के क्रियान्वयन, जल उपलब्धता और उसके सामाजिक-आर्थिक प्रभावों का गहन अध्ययन किया गया।

समाज कार्य विभाग की कार्यवाहक अध्यक्ष प्रो. विजय बहादुर सिंह यादव के मार्गदर्शन में यह अध्ययन संपन्न हुआ। डॉ. अफसाना, डॉ. निवेदिता त्रिवेदी, डॉ. रफ्फान अली और डॉ. विश्वदीप सिंह के नेतृत्व में 35 विद्यार्थियों की टीम ने आलमपुर जाफराबाद, मझगवां, मीरगंज, बहेड़ी, भोजीपुरा, बिथरी चैनपुर, भूटा, नवाबगंज और फरीदपुर ब्लॉकों के गांवों में पहुंचकर फील्ड सर्वे और साक्षात्कार किए। अध्ययन के निष्कर्षों ने साफ किया कि स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता से ग्रामीण जीवन में बड़ा बदलाव आया है- जलजनित बीमारियों में भारी कमी- अब पानी के लिए लंबी दूरी तय करने की मजबूरी खत्म होने से महिलाओं को राहत मिली है और वे परिवार व बच्चों की पढ़ाई पर अधिक ध्यान दे पा रही हैं। जिला स्तरीय जल जीवन मिशन टीम के तकनीकी और प्रशासनिक सहयोग से यह अध्ययन और अधिक प्रभावी बना। ग्रामीणों से सीधे संवाद और आंकड़ों के विश्लेषण ने योजना की सफलता को प्रमाणित किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के. पी. सिंह ने टीम को बधाई देते हुए कहा विश्वविद्यालय की असली पहचान तब बनती है जब वह समाज से जुड़कर बदलाव लाता है। यह अध्ययन उसी दिशा में एक मजबूत कदम है।

इस इंपैक्ट असेसमेंट से मिले सुझाव जल जीवन मिशन के बेहतर क्रियान्वयन और भविष्य की योजनाओं को और प्रभावी बनाने में मददगार साबित होंगे। इसमें जल निगम ग्रामीण बरेली की भी अहम भूमिका रही।

समय से पहले विद्यालय बंद करने का मामला, शिक्षक पर कार्रवाई के संकेत

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत / अमरिया (पीलीभीत)। विकासखंड अमरिया के प्राथमिक विद्यालय मझलिया में एक शिक्षक द्वारा निर्धारित समय से पहले विद्यालय बंद करने का मामला सामने आया है। , जानकारी के अनुसार शिक्षक विजय कुमार ने दोपहर करीब 1 बजकर 13 मिनट पर बच्चों की छुट्टी कर विद्यालय का गेट बंद कर दिया, जबकि विद्यालय का निर्धारित समय सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक है। बताया जाता है कि बाद में मौके पर पहुंचे मीडियाकर्मियों से शिक्षक ने अभद्र व्यवहार किया। पूछताछ के दौरान उन्होंने बताया कि उन्हें किताबें लेने जाना था, इसी कारण विद्यालय को समय से पहले बंद किया गया। इस संबंध में खंड शिक्षा अधिकारी अमरिया, उमेंद्र त्रिपाठी ने बताया कि विद्यालय समय से पूर्व बंद करना नियमों के विरुद्ध है। यदि जांच में मामला सही पाया जाता है तो संबंधित शिक्षक के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। मामले के सामने आने के बाद क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। अभिभावकों ने भी विद्यालयों में समय का पालन सुनिश्चित कराने की मांग की है।

सीबीगंज क्षेत्र में नगर वन का शिलान्यास, पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा कदम

राज्य मंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना ने किया भूमि पूजन

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली । सीबीगंज क्षेत्र में सोमवार को नगर वन परियोजना का भव्य शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार सक्सेना ने भूमि पूजन एवं शिलान्यास कर कार्यक्रम की शुरुआत की।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से समाजसेवी एवं अधिवक्ता अनिल कुमार सक्सेना, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं विभागाध्यक्ष सुनील चौधरी, वन निगम के प्रबंध निदेशक ए.के. सिंह, तथा मुख्य वन संरक्षक रूहेलखंड जोन पी.पी. सिंह सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

इस दौरान बरेली, शाहजहांपुर, बदायूं और पीलीभीत टाइगर रिजर्व के प्रभागीय वनाधिकारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए। सभी अतिथियों ने बरेली क्षेत्र में नगर वन की आवश्यकता और इसके पर्यावरणीय महत्व पर अपने विचार साझा किए।

प्रभागीय वनाधिकारी दीक्षा भंडारी ने नगर वन में प्रस्तावित कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि यहां इंटरप्रिटेशन सेंटर, वेटलैंड विकास और ट्री हाउस जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि विकास कार्यों के दौरान किसी भी वनस्पति को नुकसान नहीं पहुंचाया जाएगा और कोई पक्का निर्माण नहीं होगा।

मुख्य वन संरक्षक पी.पी. सिंह ने बताया कि सीबीगंज क्षेत्र की जैव विविधता अत्यंत समृद्ध है और यहां दुर्लभ प्रजातियों के पौधे एवं जीव पाए जाते हैं। उन्होंने 'ग्लाइकोमिस पेंटाफैला' नामक पौधे का उल्लेख किया, जिसे जिनबेरी के नाम से जाना जाता है और जिसका उपयोग मधुमेह जैसी बीमारियों में किया जाता है।

वन निगम के प्रबंध निदेशक ने नगर वन परियोजना को बरेली में पर्यटन और पर्यावरण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। वहीं, प्रधान मुख्य वन संरक्षक सुनील चौधरी ने क्षेत्र में विभिन्न प्रजातियों के पौधों, पक्षियों और सर्पों की मौजूदगी की जानकारी दी।

राज्य मंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना ने कहा कि यह नगर वन आम जनता और बाहर से आने वाले लोगों के लिए प्रकृति के प्रति जागरूकता बढ़ाने और वन संपदा के प्रति सम्मान विकसित करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा।

उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल का हुआ सम्मेलन : अकरम खां बनाए गए जिला अध्यक्ष

फूड विभाग व स्मार्ट मीटर पर उठाए सवाल

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली । आज सोमवार को अजंता रॉयल पटियाला में हुई उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल, उत्तर प्रदेश की मीटिंग में प्रांतीय अध्यक्ष लोकेश अग्रवाल ने कहा कि व्यापारियों का एकजुट होना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि संगठन की मजबूती से ही व्यापारियों के हितों की रक्षा संभव है और उन्हें विभिन्न प्रकार के उत्पीड़न से मुक्ति मिल सकती है।

उन्होंने हाल ही में अकरम खान को जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी दिए जाने पर भरोसा जताया कि उनके नेतृत्व में व्यापारियों की समस्याओं का प्रभावी समाधान होगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान में व्यापारी करीब 28 विभागों की नीतियों और प्रक्रियाओं से प्रभावित हो रहे हैं, जिससे उन्हें कई प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

स्मार्ट मीटर के मुद्दे पर बोलते हुए लोकेश अग्रवाल ने कहा कि बिजली विभाग को पहले अपनी सर्वर प्रणाली को पूरी तरह दुरुस्त करना चाहिए। उसके बाद ही स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया शुरू की जानी चाहिए, ताकि व्यापारियों को अनावश्यक समस्याओं का सामना न करना पड़े।

खाद्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि सैंपलिंग के नाम पर व्यापारियों का उत्पीड़न किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि खाद्य पदार्थों में उपयोग होने वाले जल में रसायनों की मात्रा की जांच के मानक स्पष्ट नहीं हैं, जिससे व्यापारी अनावश्यक रूप से परेशान हो रहे हैं।

उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल ने प्रीपेड मीटर के विरोध में आंदोलन की चेतावनी भी दी है। संगठन ने कहा है कि प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर प्रीपेड मीटर के खिलाफ यात्रा निकाली जाएगी और इसका पुतला दहन कर विरोध जताया जाएगा। साथ ही मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन भी सौंपा जाएगा।

संगठन की मांग है कि प्रीपेड मीटर को लागू करने से पहले व्यापारियों की सहमति ली जाए और पहले से लगे मीटरों को वापस पोस्टपेड प्रणाली में बदला जाए।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

अक्षय तृतीया पर श्री हरि मंदिर में सेवा का शुभारंभ, श्रद्धालुओं को वितरित हुआ मीठा शरबत व पुलाव

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर श्रीहरि मंदिर प्रबंध समिति, बरेली द्वारा गर्मी के मौसम में जनसेवा का सराहनीय कार्य प्रारंभ किया गया। रविवार से मंदिर परिसर में समस्त जनों के लिए मीठे शरबत की सेवा शुरू की गई, जिससे श्रद्धालुओं और राहगीरों को गर्मी से राहत मिल सके। इस विशेष सेवा के अंतर्गत शरबत के साथ-साथ स्वादिष्ट पुलाव का भी वितरण किया गया। बड़ी संख्या में लोगों ने इस सेवा का लाभ उठाया और समिति के इस प्रयास की सराहना की। आज की सेवा में मंदिर समिति के अध्यक्ष सुशील अरोड़ा एवं सचिव रवि छाबड़ा सहित अन्य सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सभी ने मिलकर सेवा कार्य को सफल बनाया और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई।

सिविल डिफेंस अलखनाथ डिवीजन द्वारा दिया गया बहुमूल्य प्रशिक्षण सीपीआर

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली सिविल डिफेंस के उपनियंत्रक राकेश मिश्र के निर्देशन व डिप्टी चीफ वार्डन रंजीत वशिष्ठ के प्रोत्साहन पर अलखनाथ डिवीजन द्वारा जागरूकता सप्ताह के अन्तर्गत द्वितीय दिवस सी. पी. आर. का बहुमूल्य प्रशिक्षण तिलक इण्टर कॉलेज किला पर वरिष्ठ सहायक उपनियंत्रक प्रमोद डागर द्वारा विद्यालय के छात्रों व विद्यालय के अध्यापकों को दिया। प्रमोद डागर ने बताया कि सी. पी. आर. केवल उन लोगों को ही दिया जाता है जो बेहोश हों। प्राय: यह देखने को मिलता है कि कोई स्वस्थ व्यक्ति चलते चलते, डांस करते करते, किसी कार्य को करते करते आदि के दौरान अचानक गिर जाता है तत्पश्चात उसकी मृत्यु हो जाती है ऐसे व्यक्ति को जिसकी सांस भी नहीं चल रही हो शीघ्र ही उसको सी. पी. आर. देकर बचाया जा सकता है। सी. पी. आर. प्रक्रिया द्वारा सिर्फ अल्प समय में ही शीघ्रता से ही उस व्यक्ति को बचाना सम्भव है, देर होने पर ब्रेन डैड होने के पश्चात् किसी व्यक्ति को बचाना असम्भव है। प्रशिक्षण में तिलक इण्टर कॉलेज के प्रधानाचार्य हरीओम मिश्र डिविजनल वार्डन अन्जय कुमार अग्रवाल आई. सी. ओ. नीतू द्विवेदी, पोस्ट वार्डन अनुकाम शर्मा, पोस्ट वार्डन रिजर्व पवन कालरा विद्यालय के अध्यापक अजय यादव, विजय रतन सिंह व गौरव गंगवार के साथ साथ सैक्टर वार्डन अंकित शर्मा, अजीत सिंह, आकाश सक्सेना, अरुण कुमार, विकास अग्रवाल, रोहित अग्रवाल व अमित आनंद आदि वार्डनों ने कार्यक्रम में सहयोग किया। प्रशिक्षण के अन्त में डिवीजनल वार्डन अन्जय कुमार अग्रवाल ने विद्यालय प्रबंधन व उपस्थित सभी वार्डनों को धन्यवाद दिया।

सीएचसी में बिजली गुल, ऑक्सीजन न मिलने से नवजात की मौत: परिजन बोले- स्टाफ ने नहीं चलाया जेनरेटर

पीलीभीत के बरखेड़ा सीएचसी में ऑक्सीजन न मिलने से नवजात की मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि नवजात को ऑक्सीजन देते ही बिजली हो गई थी। कहने के बावजूद स्टाफ ने जेनरेटर नहीं चलाया, जिससे ऑक्सीजन न मिलने से नवजात की जान चली गई। पीलीभीत के बरखेड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में इलाज में लापरवाही के कारण एक नवजात शिशु की मौत का मामला सामने आया है। परिजनों ने आरोप लगाया है कि नवजात को ऑक्सीजन देते समय बिजली गुल हो गई और जनरेटर नहीं चलाया गया, जिससे उसकी जान चली गई। इस घटना से आक्रोशित परिजनों ने करीब नौ घंटे तक नवजात का शव अस्पताल परिसर में ही रखा।ग्राम जिओरहा कल्यानपुर निवासी सुनील कुमार ने बताया कि उन्होंने अपनी पत्नी गीता देवी को 19 अप्रैल रविवार रात लगभग नौ बजे प्रसव के लिए बरखेड़ा सीएचसी में भर्ती कराया था। सुनील का आरोप है कि ड्यूटी पर मौजूद स्टाफ नर्स मधु भारतीय और निशा ने मरीज की ठीक से देखभाल नहीं की। परिजनों को रात नौ बजे से दो बजे तक अंदर नहीं जाने दिया गया। न ही मरीज की स्थिति बिगड़ने पर उसे कहीं और रेफर किया गया। पीड़ित के अनुसार, प्रसव के बाद नवजात शिशु को ऑक्सीजन दी गई थी, लेकिन पांच मिनट बाद ही अस्पताल की बिजली कट गई। परिजनों ने जनरेटर चलाने की गुहार लगाई, तो स्टाफ ने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि जनरेटर की व्यवस्था नहीं है। बच्चे को समय रहते किसी बड़े अस्पताल के लिए रेफर भी नहीं किया गया। अंधेरे और ऑक्सीजन की कमी के चलते नवजात शिशु ने अस्पताल में ही दम तोड़ दिया।परिजनों के गंभीर आरोप- परिजनों ने स्टाफ पर प्रसूता के पति सुनील कुमार से ही सफाई का काम करवाने का भी आरोप लगाया है। इसमें सीपीआर और पाइप से गंदगी साफ करना शामिल था। उनका कहना है कि स्टाफ ने अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाई। परिजनों ने चिकित्सक, नर्स और सहायक पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। सीएमओ से शिकायत और आगे की कार्रवाई- नवजात की मौत के बाद भड़के परिजनों ने रात दो बजे से सुबह ग्यारह बजे तक करीब नौ घंटे तक नवजात का शव अस्पताल परिसर में ही रखा। उन्होंने इस पूरे मामले की शिकायत मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) से की है। परिजनों ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। सीएचसी अधीक्षक डॉ. लोकेश गंगवार ने बताया कि नवजात शिशु की मौत मामले में शिकायत मिली है। जांच कराकर दोषी कर्मियों पर कार्रवाई की जाएगी।

मनमाना रवैया, अनबन और लापरवाही पड़ी आईएएस किंजल सिंह को भारी, छिनी परिवहन आयुक्त की कुर्सी

उत्तर प्रदेश में आईएएस किंजल सिंह को सात महीने में परिवहन आयुक्त पद से हटा दिया गया। उन पर मनमाने रवैये, अधिकारियों से अनबन, लापरवाही और विभागीय तालमेल की कमी के आरोप लगे। उनकी जगह आशुतोष निरंजन को चर्चाएं तेज हैं।मनमाना रवैया, आला अफसरों आईएएस किंजल सिंह को भारी पड़ गया। गया। इस दौरान कोई भी बड़ा उल्लेखनीय कार्य चर्चाएं सुर्खियों में है।प्रदेश सरकार ने 40 आयुक्त पद पर तैनात रहीं किंजल सिंह को भी निरंजन को जिम्मेदारी सौंपी गई है। सूत्र बताते थीं।अपने आला अफसरों अपर मुख्य सचिव तबादला नीति आने वाली है। ऐसे में तबादलों एक आरटीओ, प्रशासन उनके बेहद करीबी बचाने के लिए ऐड़ी-चोटी का जोर लगाने को लगे हुए हैं। हालांकि जब किंजल सिंह को

जिम्मेदारी दी गई है। फैसले के बाद प्रशासनिक हलकों में से अनबन, लापरवाही, दूसरे विभागों में अनावश्यक हस्तक्षेप उन्हें महज सात महीने में ही परिवहन आयुक्त पद से हटा दिया उनके खाते में नहीं है। अब उनके हट जाने पर तमाम तरह की आईएएस अधिकारियों के तबादले किए हैं। इसमें परिवहन हटाया गया है। उनकी जगह केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौटे आशुतोष हैं कि विभागीय तालमेल के अभाव के चलते वह रडार पर व परिवहन मंत्री से उनकी नहीं बन रही थी। इतना ही नहीं को लेकर विवाद खड़ा होने की आशंका जताई जा रही थी। हैं। जिनका स्थानांतरण तय माना जा रहा है। किंजल सिंह उन्हें तैयार थीं, जबकि उनके विरोधी स्थानांतरण के लिए जीजान से परिवहन आयुक्त पद की जिम्मेदारी सौंपी गई तो विभाग में बदलाव की उम्मीद जताई जा रही थी। लेकिन ऐसा नहीं हो सका। कार्यकाल के दौरान उनके कई फैसले संदेह के घेरे में रहे। व्यवहार से परेशान थे मातहत- सूत्र बताते हैं कि किंजल सिंह के मातहत उनके व्यवहार से परेशान थे। उनकी गुडबुक में कुछ गिनेचुने अफसर थे। उनकी सूचनाओं पर ही वह निर्णय लेती थीं। पीड़ितों का पक्ष जानने-समझने में उनकी कोई रुचि नहीं थी। हालांकि उनके व्यवहार को लेकर किसी भी अफसर ने कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई है। बेहद खास थे एक आरटीओ, हो गए मायूस- विभागीय अधिकारी बताते हैं कि आईएएस किंजल सिंह को परिवहन आयुक्त पद की जिम्मेदारी हटने के बाद विभाग में एक आरटीओ प्रशासन बेहद मायूस हैं। वह साये की तरह किंजल सिंह के साथ उपस्थित रहते थे। वह उनकी गुडबुक में थे और उनकी सूचनाओं पर ही वह निर्णय लेती थीं। ऐसे में उनके पद से हटने के बाद उपरोक्त आरटीओ प्रशासन पर तबादला नीति में गाज गिरने की आशंका जताई जा रही है। बगैर जांच प्राइवेटकर्मियों पर गिराई गाज- प्रदेश में डीएल संबंधित कामकाज देखने वाले 320 प्राइवेटकर्मियों को दलाल बताकर हटाने का आदेश कर दिया गया। यह कर्मी पिछले डेढ़ दशक से विभाग में काम कर रहे थे। किंजल सिंह ने मामले की जांच तक नहीं करवाई। इस मामले में पीड़ित कर्मी लगातार गुहार लगाते रहे। लेकिन उनकी एक न सुनी गई। इतना ही नहीं नए कर्मियों की भर्ती में भ्रष्टाचार के मामले भी आए, लेकिन उन्होंने सुनवाई तक नहीं की। निजी एजेंसियों पर थीं मेहरबान!- प्रदेश में डीएल प्रिंटिंग व डिलीवरी का काम तीन निजी एजेंसियों के पास है। फोकॉम, रोजमार्टा व सिल्वर टच। इन कंपनियों पर कर्मचारियों से वसूली व शोषण के आरोप लगे। लेकिन परिवहन आयुक्त पद पर रहते हुए उन्होंने इस मामले को अनसुना किया। परिवहन मंत्री स्तर पर शिकायत के बाद उन्होंने 25 जिलों के डीएम को जांच के लिए लिखा, लेकिन उसकी रिपोर्ट दबा दी। दूसरे विभागों में हस्तक्षेप पड़ा भारी- सूत्र यह भी बताते हैं कि परिवहन आयुक्त पद पर रहते हुए किंजल सिंह लगातार शिक्षा विभाग से स्कूली वाहनों के मामले में लेटरबाजी कर रही थीं। यह संबंधित विभाग के अफसरों, मंत्री को नागवार गुजरा। जबकि परिवहन विभाग स्कूली वाहनों के खिलाफ अभियान से लेकर उत्तर प्रदेश एकीकृत स्कूल वाहन प्रबंधन पोर्टल पर वाहनों का विवरण दर्ज करने में फिसड्डी साबित हुआ है। बढ़ गए सड़क हादसे- किंजल सिंह के कार्यकाल के दौरान लखनऊ में सड़क हादसे भी बढ़ गए। हालांकि इसके लिए उन्हें सीधे तौर पर जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। पर, सड़क हादसों को रोकने के लिए अभियानों में शिथिलता बरती गई। अकेले लखनऊ में सिर्फ दो महीनों जनवरी-फरवरी में 342 हादसे हुए और 128 लोगों की जानें गईं।

तालाब में डूबकर तीन सगे भाई बहनों की मौत, परिवार में मचा कोहराम

प्रतापगढ़ में सोमवार को बड़ा हादसा हो गया। नहाने के लिए तालाब में गए तीन सगे भाई बहनों की डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया है। कंधई थाना क्षेत्र के शाल्हीपुर कंजास गांव में नहाते समय डूबकर तीन भाई बहनों की गांव में मातम छा गया है। गांव निवासी विजय बहादुर छोटा बेटा 5 वर्ष तीनों घर के सामने तालाब में नहाने कंजास गांव निवासी विजय बहादुर यादव के चार बच्चे रोहित (5) वर्ष और सबसे छोटा बेटा आठ माह का बाहर बने तालाब में स्नान करने गए थे। तीनों की एक बच्चेपिता विजय बहादुर लकवाग्रस्त हैं, जो गांव में ही करती है। घटना के समय मां घर के अंदर बच्चों के तीनों बच्चों का नाम कंजास प्राथमिक विद्यालय में लिया जायजासीओ पट्टी मनोज कुमार सिंह रघुवंशी ने की। तीन बच्चों की मौत के बाद बिलखती रही

मौत हो गई। घटना के बाद जहां परिवार में कोहराम मच गया है वहीं पूरे यादव के तीन लड़के सबसे बड़ी बेटी 12 वर्ष, बड़ा बेटा 8 वर्ष और गए थे। सोमवार को जब तीनों तालाब में घुसे तो बाहर ही नहीं निकले। थे, जिसमें से सबसे बड़ी बेटी रानी (12), बेटा मोहित (8) और है, जो की मां की गोंद में है। रानी, मोहित और रोहित यह तीनों घर के साथ तालाब में डूबने से मौत हो गई।गांव के प्राइमरी स्कूल में पढ़ते थे भिक्षा मांग कर बच्चों का वह अपना भरण पोषण करते हैं। मां मजदूरी लिए भोजन बना रही थी। आर्थिक कमजोरी के कारण विजय बहादुर लिखवाया था, लेकिन बच्चे स्कूल नहीं जाते थे।अधिकारियों ने पहुंचकर कंजासा गांव पहुंचकर घटनस्थल का जायजा लिया। परिजनों से बातचीत मांकंजासा गांव में तालाब में डूबकर तीन सगे भाई बहनों की मौत के बाद मां सबसे छोटे बेटे को गोद में लेकर बिलखती रही। उसने अधिकारियों से रो-रोकर बात बताई।परिवार की स्थित है काफी दयनीयकंजासा गांव में तीन बच्चों को खोने वाले दंपती की माली हालत काफी दयनीय है। ग्रामीणों के अनुसार घरों में काम करने के बाद और भिक्षा मांगकर बच्चों का भरण पोषण किया जाता था।

संक्षिप्त समाचार

अग्नि सुरक्षा को लेकर केन्द्रीय विद्यालय भिनगा में हुआ मॉक ड्रिल

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल/ श्रावस्ती- भिनगा - अग्निशमन सुरक्षा सप्ताह पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देशन तथा मुख्य अग्निशमन अधिकारी

श्रावस्ती संजय शर्मा के मार्गदर्शन में केन्द्रीय विद्यालय भिनगा, श्रावस्ती में अग्निशमन विभाग द्वारा व्यापक मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अग्निशमन अधिकारी संजय जायसवाल द्वारा फायरमैन मनीष कुमार एवं फायरमैन सौरभ मौर्य के साथ विद्यालय परिसर में आग लगने की काल्पनिक स्थिति का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया गया। मॉक ड्रिल के माध्यम से छात्रों एवं विद्यालय स्टाफ को आपात स्थिति में त्वरित एवं सुरक्षित प्रतिक्रिया देने की व्यवहारिक जानकारी प्रदान की गई।

डीएम ने सोमनाथ यात्रा पर जा रहे तीर्थ यात्रियों की बस को दिखाई हरीझण्डी

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल/ श्रावस्ती- सोमनाथ स्वाभिमान पर्व-2026 के तहत सोमनाथ यात्रा के लिए जनपद श्रावस्ती से 10 तीर्थ यात्रियों का चयन किया गया है। चयनित प्रतिभागी गुजरात स्थित सोमनाथ मंदिर की

ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत से परिचित होंगे। जिसके तहत जिलाधिकारी अश्विनी कुमार पाण्डेय एवं अपर जिलाधिकारी अमरेन्द्र कुमार वर्मा ने कलेक्ट्रेट परिसर में हरी झंडी दिखाकर तीर्थ यात्रियों की बस को रवाना किया। यात्रा के लिए जनपद से विभिन्न आयु वर्ग के 10 लोगों का चयन किया गया है। जिसमें क्रमशः राजेन्द्र प्रसाद मौर्या, सौरभ कुमार, बैजनाथ, दिलीप कुमार, विष्णुपाल सिंह, रागिनी सिंह, बिन्दु सिंह, ओम प्रकाश सिंह, भीम सिंह, माधुरी देवी शामिल हैं। इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व भारत की आस्था, संस्कृति और आत्मगौरव का भव्य उत्सव है, जो सोमनाथ मन्दिर के हजार वर्षों की अविचलित यात्रा को स्मरण करता है। इस यात्रा का उद्देश्य लोगों में सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय गौरव की भावना को मजबूत करना है। उन्होंने यह भी बताया कि तीर्थ यात्रि को सोमनाथ मंदिर के हजारों वर्षों के इतिहास और उसके पुनर्निर्माण की गाथा से अवगत कराया जाएगा।

डिप्थीरिया पर नियंत्रण को पीलीभीत में विशेष टीकाकरण अभियान शुरू

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत । जनपद में डिप्थीरिया के बढ़ते मामलों को गंभीरता से लेते हुए स्वास्थ्य विभाग ने स्कूल आधारित टीडी/ डीपीटी विशेष टीकाकरण अभियान की शुरुआत कर दी है।

शासन के निर्देशानुसार यह अभियान 20, 21, 23, 24, 27, 28 एवं 30 अप्रैल को पूरे जिले में संचालित किया जाएगा। अभियान का शुभारंभ नगर क्षेत्र स्थित स्प्रिंगडेल पब्लिक स्कूल, बल्लभनगर में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. आलोक कुमार द्वारा फीता काटकर किया गया।

इस मौके पर विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकगण तथा स्वास्थ्य विभाग की टीम मौजूद रही। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. ज्ञान प्रकाश सहित अन्य अधिकारियों ने अभियान की निगरानी करते हुए व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मुख्य चिकित्साधिकारी ने जानकारी दी कि इस अभियान के तहत 5-6 वर्ष के बच्चों को डीपीटी-2 बूस्टर, 10 वर्ष के बच्चों को टीडी-10 तथा 16 वर्ष के किशोरों को टीडी-16 की खुराक दी जाएगी। यह टीकाकरण बच्चों को डिप्थीरिया जैसी गंभीर बीमारी से बचाने के लिए बेहद आवश्यक है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को अनिवार्य रूप से टीकाकरण कराएं और अभियान को सफल बनाने में सहयोग दें। टीकाकरण के बाद प्रमाण-पत्र स्वास्थ्य केंद्रों से प्राप्त किया जा सकता है या यू-विन पोर्टल से डाउनलोड किया जा सकेगा। अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए स्वास्थ्य विभाग के साथ शिक्षा, बाल विकास, समाज कल्याण, पंचायत राज, आपूर्ति एवं ग्राम्य विकास विभाग भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा नेहरू युवा केंद्र और रोटरी क्लब द्वारा जनजागरूकता में सहयोग किया जा रहा है, जबकि डब्ल्यूएचओ द्वारा अभियान का अनुश्रवण किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले के सभी विद्यालयों में तय तिथियों पर टीकाकरण सत्र आयोजित कर अधिकतम बच्चों को कवर करने का लक्ष्य रखा गया है।

ग्राम उटवाहा में रोका गया बाल विवाह परिजनों का आश्वासन, 18 वर्ष आयु पूर्ण होने पर ही करेंगे विवाह, बनाया पंचनामा

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। बाल विवाह की सूचना पर महिला एवं बाल विकास विभाग तथा पुलिस के संयुक्त दल ने आज तत्परता से कार्रवाई करते हुए ग्राम उटवाहा, ग्राम पंचायत खिरिया पुनावली में प्रस्तावित बाल विवाह रुकवाया। सूचना मिलते ही परियोजना अधिकारी रविरमन पराशर पर्यवेक्षक एवं पुलिस बल के साथ मौके पर जाकर जांच की, जिसमे बालिका की आयु विवाह हेतु निर्धारित 18 वर्ष से कम पाई गई।

दल द्वारा बालिका के माता-पिता को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के तहत कानूनी प्रावधानों, दंड एवं दुष्परिणामों की जानकारी दी गई। समझाइश के उपरांत परिजनों ने बालिका का विवाह निर्धारित आयु 18 वर्ष पूर्ण होने पर ही करने की सहमति दी तथा इस आशय के लिखित कथन दर्ज कराए। मौके पर उपस्थित ग्रामीण जनों के समक्ष पंचनामा तैयार किया गया।

इस कार्रवाई के दौरान परियोजना अधिकारी रवि रमन पाराशर, थनरा चौकी प्रभारी रामानंद पचौरी, महिला सुपरवाइजर विनीता पाठक, सलमा बैरागी एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सुखदेवी पाल उपस्थित रहीं। कलेक्टर अर्पित वर्मा के द्वारा अक्षय तृतीया सहित आगामी विवाह मुहूर्तों को देखते हुए सभी विवाह आयोजनों की सतत निगरानी के लिए दलों का गठन किया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि लड़की की आयु 18 वर्ष एवं लड़के की आयु 21 वर्ष से पूर्व विवाह कराना कानूनन अपराध है। ऐसा करने पर आयोजक, परिजन एवं सहयोगी सभी के विरुद्ध बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम तथा किशोर न्याय अधिनियम के अंतर्गत कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिला कार्यक्रम अधिकारी धीरेंद्र सिंह जादौन ने आम नागरिकों से अपील है कि बाल विवाह की किसी भी सूचना को तुरंत चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 अथवा डायल 112 पर दें। सूचना देने वाले का नाम पूर्णतः गोपनीय रखा जाएगा

ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते उत्तर प्रदेश के सशक्त कदम

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत । उत्तर प्रदेश के विकास की धुरी मानी जाने वाली विद्युत आपूर्ति के क्षेत्र में राज्य ने एक और ऐतिहासिक मील का पत्थर स्थापित किया है। प्रदेश सरकार के कुशल एवं दूरदर्शी विजन के फलस्वरूप राज्य की ऊर्जा उत्पादन क्षमता को नई ऊंचाइयों पर ले जाते हुए घाटमपुर तापीय विद्युत परियोजना की तीसरी इकाई (यूनिट-3) का सफलतापूर्वक ग्रिड सिंक्रोनाइजेशन पूर्ण कर लिया गया है। 660 मेगावाट की इस विशाल क्षमता वाली इकाई का 765 केवी ग्रिड से जुड़ना न केवल तकनीकी उत्कृष्टता का प्रमाण है, बल्कि यह प्रदेश की निरंतर बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में राज्य सरकार का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रभावी कदम है। नेवेली उत्तर प्रदेश पावर लिमिटेड द्वारा संचालित यह परियोजना, जो एनएलसी इंडिया लिमिटेड (51 प्रतिशत) एवं उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (49 प्रतिशत) का संयुक्त उपक्रम है, अब अपने पूर्ण वाणिज्यिक संचालन की दिशा में सफलतापूर्वक अग्रसर है। प्रदेश की औद्योगिक और आर्थिक प्रगति के लिए निर्बाध बिजली की उपलब्धता एक अनिवार्य शर्त है।

इस तीसरी इकाई के जुड़ने से राज्य की कुल स्थापित उत्पादन क्षमता बढ़कर लगभग 13,388 मेगावाट तक पहुँचने की संभावना है, जो उत्तर प्रदेश की बढ़ती ऊर्जा सामर्थ्य को दर्शाता है। परियोजना के पूर्ण रूप से संचालित होने के पश्चात प्रतिदिन लगभग 47.52 मिलियन यूनिट बिजली का उत्पादन किया जाएगा, जिससे प्रदेश के आम नागरिकों, किसानों और उद्यमियों को बेहतर और निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। उल्लेखनीय है कि यूनिट-1 एवं यूनिट-2 पहले ही क्रमशः दिसंबर 2024 और दिसंबर 2025 से सफलतापूर्वक संचालन में हैं, जो सरकार की समयबद्ध कार्यप्रणाली का परिचायक है। भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय द्वारा निर्धारित आवंटन के अनुसार, इस परियोजना से उत्पादित लगभग 93.11 प्रतिशत बिजली उत्तर प्रदेश को प्राप्त होगी, जो राज्य को ऊर्जा के क्षेत्र में स्वावलंबी बनाने में मुख्य भूमिका निभाएगी। इसके साथ ही, भविष्य में निर्बाध एवं सतत विद्युत उत्पादन सुनिश्चित करने हेतु झारखंड स्थित पचवारा साउथ कोल ब्लॉक का विकास भी तीव्र गति से किया जा रहा है। आधुनिक उत्तर प्रदेश की यह परियोजना केवल उत्पादन क्षमता बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पर्यावरणीय मानकों पर भी पूरी तरह खरी उतरती है। अत्याधुनिक तकनीकों से सुसज्जित इस संयंत्र में प्रदूषण नियंत्रण के लिए एफजीडी (फ्लू गैस डिसल्फराइजेशन) एवं एससीआर (सेलेक्टिव कैटालिस्ट रिडक्शन) जैसी उन्नत प्रणालियों का उपयोग किया गया है। श्जीरो लिक्विड डिस्चार्जश् की व्यवस्था यह सुनिश्चित करती है कि औद्योगिक विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता अक्षुण्ण रहे। ऊर्जा क्षेत्र में हासिल यह ऐतिहासिक उपलब्धि उत्तर प्रदेश को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक निर्णायक मोड़ है। राज्य सरकार उपभोक्ताओं को विश्वसनीय और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। यह उल्लेखनीय प्रगति न केवल ऊर्जा क्षेत्र में प्रदेश की बढ़ती साख को दर्शाती है, बल्कि बड़े पैमाने पर निवेश को आकर्षित करने और समग्र आर्थिक वृद्धि को नई गति प्रदान करने वाली है। घाटमपुर की यह सफलता उत्तर प्रदेश के ऊर्जावान और उज्ज्वल भविष्य का एक सशक्त जयघोष है।

महिला सफाई कर्मियों से छेड़छाड़, युवक की चप्पलों से कर दी पिटाई; सूचना पर भी नहीं पहुंची पुलिस

अयोध्या में महिला सफाई कर्मियों से छेड़छाड़ करने पर महिलाओं ने आरोपी युवक की चप्पलों पिटाई कर दी। आरोप है कि सूचना के बाद भी पुलिस नहीं पहुंची।यूपी के अयोध्या में नगर निगम की महिला सफाई कर्मियों के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। आरोप है कि नशे में धुत एक युवक ने उनसे अभद्रता की। इसके बाद आक्रोशित महिलाओं ने युवक की चप्पलों से पिटाई कर दी।

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।घटना अयोध्या कोतवाली क्षेत्र के लक्ष्मण घाट चौकी अंतर्गत राम की पैड़ी की बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि संबंधित युवक अक्सर राम की पैड़ी पर आने-जाने वाली महिलाओं के साथ छेड़छाड़ करता है। घटना के दौरान मौजूद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी, लेकिन सूचना के बावजूद पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि नगर निगम की महिला सफाई कर्मचारी युवक को घेरकर उसकी पिटाई कर रही हैं। स्थानीय लोगों में घटना को लेकर आक्रोश है। लोग पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठा रहे हैं। फिलहाल, मामले में आधिकारिक पुष्टि और कार्रवाई की जानकारी का इंतजार है।

डिजिटल जनगणना 2027: बिहारपुर चांदनी में तीन दिवसीय प्रगणक प्रशिक्षण संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच / बिहारपुर (सूरजपुर)। भारत की पहली पूर्णतः डिजिटल जनगणना 2027 के सफल क्रियान्वयन को लेकर प्रशासन ने अपनी तैयारी तेज कर दी है।

इसी कड़ी में ओड़गी ब्लॉक के अंतर्गत स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी एवं हिंदी माध्यम विद्यालय, बिहारपुर चांदनी में आयोजित तीन दिवसीय प्रगणक एवं पर्यवेक्षक प्रशिक्षण का सोमवार को समापन हुआ।

इस कार्यशाला में क्षेत्र के शिक्षकों और राजस्व विभाग के कर्मचारियों ने हिस्सा लिया, जिन्हें आगामी जनगणना के प्रथम चरण यानी *मकान सूचीकरण (Houselisting)* के लिए प्रशिक्षित किया गया।

सससस *पहली बार मोबाइल ऐप से होगा डेटा संग्रह प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर्स ने बताया कि इस बार की जनगणना पारंपरिक कागज-कलम के बजाय पूरी तरह से मोबाइल एप्लिकेशन पर आधारित होगी। प्रगणकों को टैबलेट और स्मार्ट फोन के माध्यम से घर-घर जाकर जानकारी दर्ज करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। डिजिटल पद्धति अपनाने से डेटा की शुद्धता बढ़ेगी और जनगणना के परिणाम भी पूर्व की तुलना में काफी जल्दी प्राप्त हो सकेंगे।

प्रशिक्षण के मुख्य चरण– डिजिटल मैपिंग– प्रगणकों को सिखाया गया कि कैसे जीपीएस (GPS) के माध्यम से मकानों की सटीक लोकेशन और नंबरिंग ऐप में दर्ज करनी है।

गोपनीयता का महत्व–* शिविर में इस बात पर जोर दिया गया कि नागरिकों से ली गई व्यक्तिगत जानकारी पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी और इसका उपयोग केवल सांख्यिकीय उद्देश्यों के लिए होगा। सससस *आमजन भी कर सकेंगे स्वयं गणना कार्यशाला में जानकारी दी गई कि इस बार सरकार ने सेल्फ-एन्यूमरेशन (Self-Enumeration) की सुविधा भी दी है।

पिता ने ही की थी नाबालिग बेटी की हत्या, पहचान छुपाने के लिए एसिड से जला दिया था चेहरा

लखनऊ के नाबालिग लड़की की हत्या का खुलासा हो गया है। लड़की की हत्या उसके पिता ने ही अपने दोस्त के साथ मिलकर की थी और पहचान छिपाने के लिए उसका चेहरा जला दिया था।लखनऊ की चिनहट पुलिस ने 16 साल की नाबालिग लड़की की हत्या का खुलासा कर दिया है। लड़की की हत्या उसके पिता ने ही अपने दोस्त के साथ मिलकर की थी और उसकी पहचान छिपाने के लिए चेहरा एसिड से जला दिया था। डीसीपी पूर्वी दीक्षा शर्मा के अनुसार, पिता विजय कुमार चौबे ने अपने दोस्त अब्दुल मन्नान के साथ मिलकर बेटी की गला घोंटकर हत्या की थी। वह बेटी के प्रेम प्रसंग से परेशान था जिसके चलते हत्या की साजिश रची।लड़की का पिता और उसका दोस्त लड़की को चिनहट से बाराबंकी के बड्डूपुर लेकर गए थे और हत्या के बाद शव को शारदा नहर के किनारे फेंक दिया। वारदात के बाद खुद पिता ने आईजीआरएस पर बेटी की गुमशुदगी दर्ज कराई और बेटी के प्रेमी पर उसे गायब करने का आरोप लगाया।पुलिस ने मामले की जांच की शुरू तो इस हत्याकांड का खुलासा हुआ। पुलिस ने आरोपी पिता विजय कुमार चौबे और उसके साथी अब्दुल मन्नान को गिरफ्तार कर लिया है। हत्या में इस्तेमाल गमछा और गाड़ी बरामद कर ली गई है। इंस्पेक्टर दिनेश चंद्र मिश्रा ने अपनी टीम के साथ सनसनीखेज हत्याकांड का खुलासा किया है। लड़की चिनहट के इमली बाथम धावा इलाके की रहने वाली थी।

सूरजपुर जिले से एक बेहद गंभीर और झकझोर देने वाली खबर

महूली उप स्वास्थ्य केंद्र में 2 साल से बंद डिलीवरी सेवा. प्रसव पीड़ा से तड़पती रही महिला, 2 घंटे बाद पहुंची एंबुलेंस

क्यूँ न लिखूँ सच / जहां स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाली ने एक गर्भवती महिला की जान को खतरे में डाल दिया। मामला है दूरस्थ पहाड़ी क्षेत्र चांदनी बिहारपुर काज जहां आज भी बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं लोगों की पहुंच से कोसों दूर हैं।

सूरजपुर जिले के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत खोहिर के आश्रित ग्राम बैजनपाठ में स्थित महूली उप स्वास्थ्य केंद्र पिछले करीब दो वर्षों से बंद पड़ा हैज और सबसे चिंताजनक बात ये है कि यहां डिलीवरी जैसी अत्यंत जरूरी सेवा भी पूरी तरह ठप है।

यानीज गर्भवती महिलाओं के लिए यह केंद्र अब सिर्फ एक बंद भवन बनकर रह गया हैज जहां इलाज की उम्मीद करना भी बेकार है। बीते दिनों इस लापरवाही की एक दर्दनाक तस्वीर सामने आईज जब गांव की एक गर्भवती महिला सोनमती गोंड प्रसव पीड़ा से घंटों तड़पती रहीज लेकिन न तो गांव में कोई स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध थी और न ही उप स्वास्थ्य केंद्र खुला था।

परिजन मदद के लिए दर-दर भटकते रहेज और जब उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिहारपुर प्रभारी सुरेश कुमार मिश्रा एवं ओड़गी बीएमओ विजय चौहान से संपर्क किया गया तो सीधे तौर पर 108 और 102 एंबुलेंस में कॉल करने की सलाह देकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया। सोचिएज एक तरफ महिला प्रसव पीड़ा से कराह रही थीज और दूसरी तरफ सिस्टम सिर्फ फोन नंबर थमाकर अपना कर्तव्य पूरा मान रहा था।

हालात की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय पत्रकारों ने जिला स्तर पर लगातार संपर्क साधाज जिसके बाद डॉ. अजय मरकाम के प्रयास से करीब 2 घंटे बाद 'महतारी एक्सप्रेस' एंबुलेंस दुर्गम पहाड़ी रास्तों को पार कर गांव पहुंची।

लेकिन सवाल ये हैज कि क्या 2 घंटे का इंतजार किसी गर्भवती महिला के लिए सुरक्षित है?

आखिरकार महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिहारपुर लाया गयाज जहां उसका उपचार संभव हो सकाज लेकिन इस पूरे घटनाक्रम ने स्वास्थ्य विभाग की पोल खोलकर रख दी है।

सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि घटना के दौरान भी महूली उप स्वास्थ्य केंद्र में ताला लटका हुआ थाज जो साफ तौर पर विभागीय लापरवाही और उदासीनता को दर्शाता है।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय पर एंबुलेंस नहीं पहुंचतीज तो कोई बड़ी अनहोनी हो सकती थी।

अब बड़ा सवाल यह है किज आखिर कब तक दूरस्थ क्षेत्रों के ग्रामीण इस तरह अपनी जान जोखिम में डालकर स्वास्थ्य सेवाओं का इंतजार करते रहेंगे? क्या जिम्मेदार अधिकारियों पर कोई कार्रवाई होगीज? क्या महूली उप स्वास्थ्य केंद्र की डिलीवरी सेवा फिर से शुरू होगीज?

या फिरज ऐसे ही ताले लटके रहेंगेज और महिलाएं यूं ही तड़पती रहेंगी?

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

प्रयाग से चलेगी गोरखपुर वंदे भारत, हमसफर और कालिंदी के लिए जाना होगा सूबेदारगंज

गोरखपुर जाने वाली वंदे भारत 20 अप्रैल से 30 अप्रैल तक प्रयाग स्टेशन से चलेगी। इसी तरह जंक्शन आने वाली 35 अन्य ट्रेनों का रूट बदला गया है। इसमें अधिकांश प्रयागराज छिवकी से संचालित होंगी। दरअसल प्रयागराज जंक्शन के पुनर्विकास कार्य के तहत यहां यार्ड रिमॉडलिंग का कार्य शुरू हो रहा है।अगर आप आने वाले दिनों में प्रयागराज जंक्शन से रेल यात्रा की योजना बना रहे हैं तो यह खबर आपके लिए बेहद जरूरी है। उत्तर मध्य रेलवे के सबसे महत्वपूर्ण स्टेशनों में से एक प्रयागराज जंक्शन पर यार्ड रिमॉडलिंग (फेस-एक) का काम शुरू हो गया है, जिसके चलते ट्रेनों के सामान्य संचालन में भारी उलटफेर किया गया है।गोरखपुर जाने वाली वंदे भारत 20 अप्रैल से 30 अप्रैल तक प्रयाग स्टेशन से चलेगी। इसी तरह जंक्शन आने वाली 35 अन्य ट्रेनों का रूट बदला गया है। इसमें अधिकांश प्रयागराज छिवकी से संचालित होंगी। दरअसल प्रयागराज जंक्शन के पुनर्विकास कार्य के तहत यहां यार्ड रिमॉडलिंग का कार्य शुरू हो रहा है।इस वजह से वाराणसी-पुणे, अहमदाबाद-दरभंगा, गोरखपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस और रक्सौल-लोकमान्य तिलक जैसी ट्रेनें प्रयागराज जंक्शन पर आने के बजाय प्रयागराज छिवकी के रास्ते अपने गंतव्य को रवाना होंगी। इतना ही नहीं, जंक्शन पर बोझ कम करने के लिए कई ट्रेनों को नजदीकी स्टेशनों पर ही टर्मिनेट करने का निर्णय लिया गया है। प्रयागराज-नई दिल्ली और प्रयागराज-आनंद विहार टर्मिनल हमसफर एक्सप्रेस अब 24 से 30 अप्रैल के बीच जंक्शन के बजाय सूबेदारगंज स्टेशन से ही अपनी यात्रा शुरू करेगी और वहीं अपनी यात्रा समाप्त भी करेगी। वहीं, चोपन-प्रयागराज एक्सप्रेस 20 अप्रैल से 25 मई तक केवल प्रयागराज छिवकी स्टेशन तक ही आएगी। मुजफ्फरपुर-प्रयागराज बापू धाम एक्सप्रेस को भी 27 और 29 अप्रैल को बनारस स्टेशन तक ही सीमित कर दिया गया है। कालिंदी एक्सप्रेस 29 अप्रैल को सूबेदारगंज तक चलेगी, जबकि सूबेदारगंज-पीडीयू मेमू 30 अप्रैल को छिवकी तक ही संचालित होगी। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे घर से निकलने से पहले नेशनल ट्रेन इंक्वायरी सिस्टम (एनटीईएस) या हेल्पलाइन नंबर के जरिये अपनी ट्रेन की वर्तमान स्थिति और रूट की जांच अवश्य कर लें। सीमांचल, एनई एक्सप्रेस वाराणसी से लखनऊ होकर जाएंगी कानपुर मेगा ब्लॉक के चलते प्रयागराज जंक्शन होकर जाने वाली 12487 जोगबनी-आनंद विहार 29 अप्रैल, 12488 आनंद विहार-जोगबनी 30 अप्रैल,12505 एनई एक्सप्रेस 29 अप्रैल, 12506 एनई एक्सप्रेस 30 अप्रैल, 12816 आनंद विहार-पुरी 30 अप्रैल , 12324 बाड़मेर-हावड़ा का संचालन 30 अप्रैल को पंडित दीन दयाल से वाराणसी, लखनऊ होते हुए कानपुर के लिए होगा। वहीं, 11071 कामायनी 29 अप्रैल एवं 11072 बलिया-एलटीटी कामायनी 30 अप्रैल को जंघई से लखनऊ होते हुए कानपुर, झांसी होते हुए भोपाल के लिए रवाना होगी।- प्रयागराज छिवकी के रास्ते चलेंगी कई ट्रेनें- 15560 अहमदाबाद-दरभंगा 24 अप्रैल, 15559 दरभंगा-अहमदाबाद 29 अप्रैल, 15018 गोरखपुर-लोकमान्य तिलक 25 से 30 अप्रैल, 15017 लोकमान्य तिलक-गोरखपुर 24 से 29 अप्रैल, 15267 रक्सौल-लोकमान्य तिलक 25 अप्रैल, 15268 लोकमान्य तिलक-रक्सौल 27 अप्रैल, 11033 पुणे-दरभंगा 29 अप्रैल, 11034 दरभंगा-पुणे 24 अप्रैल, 01025 दादर-बलिया 24 से 29 अप्रैल, 01027 दादर-गोरखपुर, 01026 बलिया-दादर 25 से 30 अप्रैल, 01028 गोरखपुर-दादर 26 से 30 अप्रैल, 22131 पुणे-बनारस 29 अप्रैल, 22132 बनारस-पुणे 29 अप्रैल, 15159 छपरा-दुर्ग 30 अप्रैल, 15160 दुर्ग-छपरा चलेंगी। 29 अप्रैल, 11060 छपरा-लोकमान्य तिलक 30 अप्रैल, 18609 रांची-लोकमान्य तिलक 29 अप्रैल, 18610 लोकमान्य तिलक-रांची 24 अप्रैल, 19421 अहमदाबाद-पटना 26 अप्रैल, 19422 पटना-अहमदाबाद 28 अप्रैल, 12381 हावड़ा-नई दिल्ली रामबाग के रास्ते 26, 28 व 30 अप्रैल, 12382 नई दिल्ली-हावड़ा रामबाग के रास्ते 24, 27 व 28 अप्रैल, 12307 हावड़ा-जोधपुर 29 अप्रैल, 22308 बीकानेर-हावड़ा 29 अप्रैल, 12987 सियालदह-अजमेर 29 अप्रैल, 09447 अहमदाबाद-पटना 29 अप्रैल को प्रयागराज जंक्शन के बजाय प्रयागराज छिवकी के रास्ते

संक्षिप्त समाचार

शादी समारोह के दौरान पांच साल की बच्ची से दुष्कर्म, मौसा ने की दरिंदगी, गिरफ्तार

शाहजहांपुर के खुदागंज क्षेत्र में पांच साल की बच्ची से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। बच्ची अपनी मां के साथ शादी समारोह में आई थी। आरोप है कि बच्ची के मौसा ने उससे दुष्कर्म किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। शाहजहांपुर के खुदागंज क्षेत्र में एक शादी समारोह के दौरान पांच साल की बच्ची से दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि बच्ची के मौसा ने ही इस वारदात को अंजाम दिया, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।जानकारी के मुताबिक बच्ची अपनी मां के साथ शादी समारोह में शामिल होने आई थी। घटना उस समय हुई जब सभी रिश्तेदार दावत में व्यस्त थे और कामकाज में लगे हुए थे। इसी का फायदा उठाकर आरोपी मौसा बच्ची को पड़ोस के एक खाली घर में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया।बच्ची ने मां को बताई घटना

जब बच्ची काफी देर तक नहीं दिखी तो उसकी मां और परिजनों ने उसे ढूंढना शुरू किया। बच्ची रोते हुए मिली और उसने अपनी मां को पूरी आपबीती बताई। परिजनों ने तत्काल 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की और बच्ची को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा। पुलिस की कार्रवाई – थाना प्रभारी सत्य प्रकाश सिंह ने बताया कि दोषी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज पंजीकृत कर लिया गया है। पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को तुरंत गिरफ्तार कर लिया है। बच्ची का मेडिकल परीक्षण कराया गया है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो दोस्तों की मौत, जादोपुर-सेंथल मार्ग पर हुआ हादसा

बरेली के नवाबगंज क्षेत्र में जादोपुर-सेंथल मार्ग पर रविवार रात दर्दनाक हादसा। तेज रफ्तार वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार दो दोस्तों की मौत हो गई।बरेली के नवाबगंज थाना क्षेत्र में

जादोपुर-सेंथल मार्ग पर रविवार रात अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। हादसे से मृतकों के परिवारों में कोहराम मच गया। शीशगढ़ थाना क्षेत्र के गांव बरगवां निवासी सिद्धार्थ (20) अपने साथी नवाबगंज के गांव अटंगा योगी निवासी रिंकू सिंह के साथ बाइक से जादोपुर की ओर से सेंथल जा रहे थे। जादोपुर-सेंथल मार्ग पर गांव देवरनियां के पास तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की जोरदार टक्कर से बाइक सवार दोनों युवकों की मौत हो गई। सूचना पर गई पुलिस ने शवों को सीएचसी में रखवाया है। वहां से पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। हादसे की सूचना मिलते ही मृतकों के परिजन सीएचसी पर पहुंच गए। सिद्धार्थ की मौत से उनकी बहन मंजू, पिता पुरुषोत्तम गंगवार और मां शांति देवी रो-रोकर बेहाल हैं। सिद्धार्थ, बहेड़ी स्थित गन्ना उत्पादक स्नातकोत्तर महाविद्यालय में बीएससी के छात्र थे। सिद्धार्थ हेलमेट लगाए थे लेकिन रिंकू ने हेलमेट नहीं लगाया था।

बड़े साहब फिर से जोड़ सकेंगे कटे प्रीपेड बिजली कनेक्शन, जमा बिल की रसीद देखते ही चालू हो जाएगी बिजली

ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने शीर्ष स्तर पर निर्देश दिए हैं कि इंटेली स्मार्ट कंपनी जो प्रीपेड मीटर के कटे कनेक्शन को जोड़ने का काम करती उसी तरह का अधिकार कलेक्शन इकाई के

अधिशासी अभियंता (बड़े साहब) को दिया जाए। अब जमा बिल की रशीद देखने के बाद ऑनलाइन कमांड देकर बिजली चालू कर दी जाएगी।प्रीपेड मीटर की माइनस बैलेंस पर कटने वाली बिजली अब जिस झटके से कटेगी, उसी तरह की फुर्ती से बिल जमा होने पर चालू हो सकेगी। यह सुविधा उपभोक्ताओं को मिलने जा रही है। इस संबंध में ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने शीर्ष स्तर पर निर्देश दिए हैं कि इंटेली स्मार्ट कंपनी जो प्रीपेड मीटर के कटे कनेक्शन को जोड़ने का काम करती उसी तरह का अधिकार कलेक्शन इकाई के अधिशासी अभियंता (बड़े साहब) को दिया जाए।

Do you still find oats bland? Make your healthy breakfast amazing and tasty with these 4 hacks.

Small tricks when making oatmeal can make it both healthy and tasty. Steel-cut oats make oatmeal creamy and tasty. Use regular oats instead of instant oatmeal. Make oatmeal nutritious with milk, fruit, nuts, and spices. Oatmeal is considered a filling, quick breakfast. While it's a healthy breakfast option, adding variety to the toppings can make it even more delicious. Beyond toppings, you can also use these methods to create the best version of your oatmeal. Steel-cut oats—they take longer to cook than quick or rolled oats, but the resulting oatmeal is creamier and tastier. Avoid instant oatmeal—most packaged instant oatmeal contains added sugar. If consumed for breakfast over a long period of time, it can lead to weight gain or swelling. Therefore, using regular oats instead of instant oats is a healthier option. Amount of oats and liquid: To prepare oats properly, be sure to read the instructions on the package. While the ideal ratio for steel-cut oats is a quarter cup of oats to a cup of water, the ratio for quick or rolled oats is a half cup of oats to a cup of water. Cook in milk, not water: For a calcium-rich and creamy flavor, prepare oats in low-fat milk or plant-based milk instead of water. Keep the ratio the same as for water. Topping options for oatmeal: Fruits: You can use dried fruits like raisins, cranberries, cherries, or chopped apricots or dates for a fruit topping. You can also use fresh or frozen fruits like bananas or apples. Nuts or seeds: A topping of almonds, walnuts, hazelnuts, pistachios, or peanuts adds a nutty crunch to oatmeal. White sesame seeds, flax seeds, or chia seeds are also good options. Sweeteners: Instead of refined sugar, you can use maple syrup, brown sugar, or honey to sweeten your oatmeal. A little spicy: To make your oatmeal more flavorful, add a pinch of cinnamon, nutmeg, dried ginger, or cardamom.

Breast milk is not just nutrition, it also strengthens a child's DNA; scientists have revealed.

A team of researchers analyzed the epigenetic process of DNA methylation in 3,421 children. Breastfeeding increases epigenetic markers in infants' DNA. These markers are related to immune and developmental processes. The study highlights the long-term benefits of breastfeeding. Breastfeeding is the best nutrition for infants, providing essential antibodies and nutrients for the first six months. It reduces the risk of infections, obesity, and allergies. It is also easy to digest and helps with mental development. It also reduces the risk of future conditions like diabetes and asthma. Analysis of a blood sample found that children who were exclusively breastfed for the first three months had more epigenetic markers, chemical changes, in their DNA than children who were not breastfed. Epigenetics lies at the intersection of genes and environment; the interaction between these two produces any observable behavior. Remove Ads - Read News Only The results of this study indicate that parents should understand the importance of breastfeeding their children. It is not only essential for physical health but also beneficial for mental and emotional development. Children's DNA methylation marks found to be higher on average - Researchers led by the Barcelona Institute for Global Health (ISGlobal) in Spain and the Universities of Exeter and Bristol in the UK analyzed the epigenetic process of DNA methylation in 3,421 children. The team found that children who were exclusively breastfed for at least three months had, on average, higher DNA methylation marks on genes linked to immunity and developmental processes, compared to children who were not breastfed. The study was published in the journal Clinical Epigenetics. However, the study did not look at whether these epigenetic marks affect children's immunity or development. DNA methylation acts like an 'off switch', preventing a gene from expressing itself. This process has been found to be important for fetal development and genomic stability, among other purposes. "Our results suggest that children who exclusively breastfeed have epigenetic changes associated with that experience," said Doretta Karmanski, co-lead of the study from the University of Exeter. "The genes affected by these markers are involved in processes related to development and immunity, but we cannot say from this study whether these markers directly affect these very complex processes." The researchers noted that while breastfeeding has been shown to have short- and long-term beneficial effects on children's health, including improved cognitive development and immune programming, the biological mechanisms contributing to this are only partially understood, with epigenetics emerging as a potential contributor. The analysis looked at data collected through the Pregnancy and Childhood Epigenetics (PACE) Consortium, which included 11 studies from countries such as France, Germany, South Africa, and the United States. Information about breastfeeding was collected through questionnaires from birth. Comparison with umbilical cord samples - DNA methylation marks were measured from samples taken when children were five to 12 years old and compared with samples taken from umbilical cords to assess pre-breastfeeding status. The researchers examined whether there were any differences related to breastfeeding experience. The authors wrote that breastfeeding was associated with differential DNA methylation at a limited number of CpG (cytosine phosphate guanine) sites in childhood blood. A CpG site is a DNA region where a cytosine nucleotide is followed by a guanine nucleotide, and DNA methylation is important for epigenetic gene regulation. Positive associations were found at six CpG sites in childhood blood. Four of these were associated with duration of breastfeeding, three with children who had never been breastfed.

New hope for the elderly: Nasal spray can reverse brain aging, with effects lasting for months

Researchers have developed a nasal spray that can reduce brain inflammation associated with aging. Texas A&M developed a new nasal spray that reverses aging by reducing brain inflammation, improving memory in mice, and lasting for months. Memory loss associated with aging, or diseases like Alzheimer's and dementia, has become a major health concern worldwide, but medical science has now achieved a remarkable breakthrough in this area. Researchers at Texas A&M University have developed a unique nasal spray that not only reduces chronic brain inflammation but has also been shown to reverse the symptoms of aging. Just two doses, and the effect lasts for months—this nasal spray has been tested on mice, with very positive results. Just two doses of this spray helped restore the mitochondria of brain cells. Its use resulted in significant improvements in the memory of mice. This spray is capable of suppressing neuroinflammation, and the best part is that its effects last not just for a few days, but for several months. Treatment possible without brain surgery - This study, published in the Journal of Extracellular Vesicles, has revealed that the inflammation responsible for brain aging and brain fog can be treated without complex brain surgery. This new technology is changing the way scientists think and could shape the future of neurodegenerative disease treatment. How does this nasal spray work? Researchers have used the body's own tiny transport vehicles, called extracellular vesicles, in this spray. These vesicles, packed in the nasal spray, are so effective that they easily penetrate the brain's protective barrier and reach directly to brain tissue. MicroRNAs as a 'Master Regulator' - According to Senior Research Scientist Madhu Leelavathi Narayana, these extracellular vesicles carry important genetic material called microRNAs. This microRNA acts as a 'master regulator' in the brain, significantly helping to regulate and control many genes and signaling pathways in the brain. A New Dawn for the Elderly - Ashok K. Shetty, professor at Texas A&M University and associate director of the Institute for Regenerative Medicine, says that age-related diseases like dementia are a cause for concern worldwide. He explained that the biggest finding of this research is that the process of brain aging can now be reversed. This technology could prove to be a milestone in keeping people mentally sharp, socially active, and free from age-related brain decline.

"I felt bad for her..." German influencer LizLaz reacts to Virat Kohli's likes and dislikes.

Indian cricketer Virat Kohli is once again in the news for liking an Instagram photo. The person whose photo he liked has now reacted to it. Virat Kohli again embroiled in a photo-like controversy - LizLaz reacts to Virat's like controversy - German influencer is a fan of RCB and Virat. Bollywood actress Anushka Sharma's husband and Indian cricketer Virat Kohli has once again found himself in controversy for liking an Instagram photo. Last year, Virat Kohli liked a photo of TV actress Avneet Kaur, which caused quite a stir. Now, the cricketer has liked the bold photos of German influencer LizLaz. He later clarified that it was from his son Akay Kohli. He was holding a phone. LizLaz's reaction to Virat's like controversy: Virat Kohli is being trolled on social media. Meanwhile, the person whose photo the cricketer liked has reacted. In a conversation with Hindustan Times, LizLaz revealed that she wasn't aware when Virat liked her photo and when he unliked it. LizLaz feeling bad for Virat: Furthermore, LizLaz also feels quite bad for Virat. When the influencer was asked if she felt bad about the photo being unliked, she said, "No, to be honest, I felt a little bad for him. I was very happy that he liked it, but then when he unliked it, I felt a little bad for him because I don't even know how it became such a big news story. How people noticed it, how it became news." Perhaps he didn't mean it, but I'm still grateful and appreciate the support I received. LizLaz, an RCB fan, revealed that she is a huge fan of Virat Kohli. Growing up in Germany, she knew nothing about cricket, but when she visited India, she stayed in Bangalore. She made friends there and then started watching cricket. Like her friends, she supports Royal Challengers Bangalore.

"My children..." What would Dhurandhar 2's ending have been like if Jameel Jamali had revealed his truth? Fans created a video using AI.

The character of Jameel Jamali (Rakesh Bedi) in Dhurandhar 2 has been well-received. He has been living in Karachi as an Indian spy for 45 years. Fans are now creating AI videos. Jameel Jamali, an Indian spy in Karachi for 45 reveal the truth - What would have father's spying? While fans loved completely different charm. Rakesh Bedi, well-received. His dialogue, "Mera Rakesh Bedi is an Indian intelligence Karachi, for the past 45 years. His family, hint was given in Part 1. At the end of the Ranveer Singh's Hamza Ali Mazari, also Ranveer Singh is shocked, along with the Jamali lived there, keeping the entire networks, and the ISI in the dark. Even if you pay attention, you'll find a dialogue Or, it could be said that it was Aditya audience this hint. In the scene, Rakesh came yesterday will advise me, 'Ever since fulfilling my duty to the nation.' What if end, when he comes to drop Ranveer off daughter Yaleena and grandson Jayan. the help of AI in which they go home and

years - Fans created a video using AI to happened if Yaleena had discovered her Dhurandhar 2, one character has a who played Jameel Jamali in the film, was Bachcha Hai Tu," also went viral. In the film, agent who has been secretly living in Lyari, wife, and children are also there. The first film, when Jameel Jamali reveals this to known as Jaskirat Singh Rangi, in the climax, audience. For nearly five decades, Jameel Pakistani political landscape, terrorist his family is unaware of his true identity. Now, he uttered in Part 1 to be completely true. Dhar's pinpoint detailing that gave the Bedi tells Ranveer's character, "The boy who your mother washed your clothes, I've been Yaleena had discovered the truth?" In the at the border, he tells him to forget his Now, some fans have created a video with tell Yalina the truth. The video shows Yalina realizing something is wrong and asking her father what happened. Jameel Jamali says, "If you hate Hamza for his truth, you will hate me too." Yalina says, "Abba, you are scaring me. It seems you are hiding something from me. The truth is, child..." Jameel Jamali begins. By doing this, fans are trying to see how Yalina will feel after knowing that not only her husband but also her father is an Indian spy.

"Like is a sin..." Virat Kohli reacted to Liz Laz's photo, and Ameesha Patel said this.

Ameesha Patel has reacted to the trolling that Virat Kohli faced after liking Liz Laz's photo. Virat Kohli liked Liz Laz's photo, the cricketer was heavily trolled online - now Ameesha Patel has reacted. A recent social media incident become a topic of discussion on the Ameesha Patel has responded to the caused a stir on social media - The photo of German model Liz Laz. The photographer Advait in January, with the came to light when a screenshot of the Photographer Advait wrote, "How does Kohli likes your post... Liz Laj and I are this is really happening... haha... thanks as the post went viral, social media reactions. Many users also recalled an fan page that had made headlines at the removed his 'like' from the post. Ameesha this growing discussion, Ameesha Patel controversy during an outing in Mumbai. but when the entire matter was explained uproar as absurd. Social media trolling: media platforms were flooded with memes earlier incident involving a fan page of headlines at the time. It's worth noting the post. Ameesha Patel reacted,

involving Virat Kohli has once again internet. This time, Bollywood actress online trolling. Virat Kohli's "like" discussion began when Kohli "liked" a photo was originally posted by caption, "Some golden hour shots." This "like" went viral on social media. one react to this... when the GOAT Virat still rubbing our eyes trying to believe GOAT." Social media trolling: As soon platforms were flooded with memes and earlier incident involving an Avneet Kaur time. It's worth noting that Kohli later Patel reacted, defending Kohli. Amidst was questioned by paparazzi about the Initially, she was unaware of the situation, to her, she immediately dismissed the As soon as the post went viral, social and reactions. Many users recalled an Avneet Kaur, which had also made that Kohli later removed his 'like' from defending Kohli: Amidst this growing discussion, Ameesha Patel was questioned by paparazzi about the controversy during an outing in Mumbai. Initially, she was unaware of the situation, but when the entire matter was explained to her, she immediately dismissed the uproar as absurd. She said, "Is it a sin to 'like' someone's post? It's their life, their Instagram, their choice." People only know how to troll. They have nothing else to do. 'Like' someone's good work is a good thing. Trolling is a sin, not 'liking' someone. Virat gave this reaction - This is not the first time Kohli's social media activity has given rise to speculation. In an earlier incident involving Avneet Kaur's fan page, the cricketer clarified, "I would like to clarify that while cleaning my feed, it seems the algorithm may have accidentally recorded an interaction. I had no intention of doing this at all. I request that no unnecessary speculation be made." Despite Kohli's unliking, the issue continued to be discussed. However, Ameesha Patel's reaction has now caught everyone's attention, and many people seem to agree with her.